वर्ष : 17 ❖ अंक : 24 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 25 अगस्त 2022

ईडी, आईटी और सीबीआई, बीजेपी के 3 जमाई : तेजस्वी 3

शौर्य और पराक्रम के बिना शांति और सौहार्द संभव नहीं : सीएम योगी 8

बस दुर्घटना में 29 घायल, सात की हालत गंभीर

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अगस्त । गंगटोक के बाहरी इलाके में 7 माइल पर आज हुई एक बस दुर्घटना में कम से कम 29 यात्री घायल हो गए, जिनमें से सात को गंभीर चोटें आई है। घायलों में एक की स्थिति अत्यंत ही गंभीर है।

पुलिस ने बताया कि घायलों में से 24 तादोंग में एसआरएम विश्वविद्यालय छात्र हैं। वे रानीपुल जा रहे थे, जो सात माइल से लगभग छह किलोमीटर दूर है। घायलों को तुरंत मणिपाल सेंट्रल रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल एक छात्र को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने कहा कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब सिलीगुड़ी जा रही बस के चालक ने एक तेज मोड़ पर बस से नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क के बगल की दीवार से जा टकराई। इस दुर्घटना में बस की क्षति बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

सिक्किम के परिवहन मंत्री संजीत खरेल को दुर्घटना के बारे में जानकारी मिलने पर वे अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से बात की। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से घायलों के इलाज के लिए सभी उपाय शुरू करने को कहा और पीड़ितों के इलाज के लिए राज्य प्रशासन से समर्थन का आश्वासन दिया। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने घोषणा की कि सिक्किम सरकार घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद से बस का चालक फरार है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

उधर, सेंट्रल रेफरल हास्टिपल (सीआरएच) ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आज करीब 4:20 पर अस्पताल को दुर्घटना के बारे में जानकारी मिली। जानकारी मिलते ही सीआरएच ने तुरंत अपने आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल को सक्रिय किया और चार एम्बुलेंस को तत्काल दुर्घटना स्थल के लिए रवाना किया। कुल 33 घायलों को तुरंत सीआरएच के आपातकालीन विभाग में ले जाया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। घायलों में एक की स्थिति अत्यंत गंभीर है। उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में कई चोटें आई हैं।

वहीं छह अन्य यात्रियों को भी बड़ी चोटें आई हैं और उनकी चिकित्सकों द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है। सीआरएच में अन्य सभी रोगियों का इलाज किया गया और उनकी हालत स्थिर है। एक मरीज, उसकी रीढ़ की हड्डी की चोटों के तत्काल प्रबंधन के लिए सिलीगुड़ी (डब्ल्यूबी) रेफर किया गया।

विज्ञप्ति में दावा किया गया है कि सीआरएच ने बड़े पैमाने पर हताहतों और आपदा पीड़ितों को त्वरित आपातकालीन देखभाल प्रदान करने में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसे सरकार द्वारा व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है।

भाईचुंग को दिए अल्टिमेटम को खालिंग ने फिर दोहराया

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अगस्त । सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी ने हाम्रो सिक्किम पार्टी (एचएसपी) के कार्यकारी अध्यक्ष भाईचुंग भूटिया और सिक्किम नागरिक समाज को अपने आरोपों को साबित करने के लिए एक अल्टीमेटम दिया है। एसकेएम ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि वे निर्धारित समय के भीतर आरोपों को साबित करने में विफल रहते हैं तो वे उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। एसकेएम के प्रवक्ता जैकब खालिंग ने आज एसकेएम मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में फिर से इन बातों को दोहराया है।

ज्ञात हो कि एचएसपी के कार्यकारी अध्यक्ष भाईचुंग भूटिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि एसकेएम पार्टी ने 2019 के चुनाव से पहले घोषणा की कि अगर वे सरकार में आते हैं, तो वे छेत्री-बहुन समुदाय से मुख्यमंत्री और भूटिया-लेप्चा समुदाय से उपमुख्यमंत्री बनाएंगे और इस पर वर्तमान मुख्यमंत्री ने भी हस्ताक्षर किए थे। भूटिया ने कहा था कि वह अगले 15-20 दिनों में दस्तावेजों के साथ अपने आरोपों को साबित करेंगे।

एसकेएम के प्रवक्ता जैकब खालिंग ने भूटिया को तीन सितंबर तक का समय दिया और उन्हें अपने आरोपों को साबित करने की चुनौती दी। याद रहे, कि जैकब खालिंग ने इससे पहले भी भूटिया को 3 सितंबर तक का समय दिया था। हालांकि, भूटिया ने एसकेएम को इसके विपरीत चुनौती देते हुए अदालत में मिलने को कहा था। इस वजह से प्रवक्ता खालिंग ने भूटिया को 3 सितंबर तक दिए गए अल्टीमेटम को दोहराया।

जैकब खालिंग ने कहा कि एचएसपी के कार्यकारी अध्यक्ष भाईचुंग भूटिया ने दावा किया है कि हमारी एसकेएम पार्टी ने घोषणा पत्र में उल्लेख किया है कि अगर एसकेएम पार्टी सरकार में आती है, तो वह छेत्री-बहुन समुदाय से मुख्यमंत्री और भूटिया-लेप्चा समुदाय से उपमुख्यमंत्री बनाएगी और उन्हें इस आरोप को साबित करना होगा। उन्होंने कहा कि जिस घोषणापत्र में एसकेएम ने ऐसा दावा किया है, भूटिया वह घोषणापत्र पेश करें, नहीं तो हम उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे।

प्रवक्ता जैकब खालिंग ने कहा कि भाईचुंग भूटिया द्वारा मामला उठाए जाने के बाद सोशल मीडिया पर एक फर्जी दस्तावेज प्रसारित होने लगे। उन्होंने बताया कि कागज 2019 के चुनाव से पहले भी प्रसारित किया गया था और उस समय एसकेएम ने इसका खंडन किया था। खालिंग ने कहा कि भूटिया द्वारा किए गए दावे का जिक्र उस कागज में है और उसके प्रेस को बयान देने के बाद फिर से उसे प्रसारित किया जा रहा है। खालिंग ने इसे देखकर यह सवाल उठता है कि कहीं उस फर्जी कागज को प्रसारित करने में भूटिया का ही हाथ तो नहीं है। उन्होंने कहा कि भूटिया को इस मामले में भी सफाई देनी चाहिए।

दूसरी ओर, सिक्किम नागरिक समाज ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार ने 38 करोड़ रुपये के चावल नहीं खरीदे और इसे लाभार्थियों को कोरोना महामारी के दौरान वितरित नहीं किया। जैकब खालिंग ने सिक्किम के नागरिक समाज को इस तरह के दावों पर सीएजी रिपोर्ट जमा करने के लिए 15 सितंबर तक का समय दिया। उन्होंने कहा कि अगर सीएजी की रिपोर्ट जमा नहीं की गई तो समाज के अधिकारियों के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज किया जाएगा।

'फर्जी दस्तावेज के फिर से प्रसारित करने में हो सकता है भाईचुंग भूटिया का ही हाथ'

अरुण उप्रेती ने की राज्यपाल से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अगस्त । सिक्किम विधान सभा के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री अरुण कुमार उप्रेती ने राज्यपाल गंगा प्रसाद से बुधवार को राजभवन परिसर में शिष्टाचार भेंट की।

विधान सभा अध्यक्ष पद पर आसीन होने के बाद यह उनकी राज्यपाल से पहली मुलाकात है। भेंट के दौरान विधानसभा उपाध्यक्ष सांगे लेप्चा भी उनके साथ थे। विदित हो कि सिक्किम विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एलबी दास द्वारा इस्तीफा देने के बाद उक्त रिक्त पद पर गंगटोक जिला अंतर्गत आरीथांग विधानसभा के विधायक अरुण कुमार उप्रेती निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। मुलाकात के दौरान राज्यपाल महोदय ने अध्यक्ष महोदय को सफल कार्यकाल की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सिक्किम में 7000 से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरियां : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अगस्त । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य में 7000 से अधिक युवाओं ने सरकारी नौकरी हासिल की है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक डीआर थापा के एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य प्रशासन ने सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिए सीधी भर्ती की है। उन्होंने कहा कि 77,912 रोजगार कार्ड जारी किए जा चुके हैं। जिसमें से 7,793 कार्डधारकों ने सरकारी नौकरी हासिल की थी और 34,097 ने अस्थायी नौकरी हासिल की थी।

उन्होंने बेरोजगारी के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि हमें राज्य के भीतर मुद्दों को हल करने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करना होगा।

वाहन वितरण पर सीएम का जवाब गैर जिम्मेदारना : कृष्ण खरेल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अगस्त । राज्य में विधानसभा सत्र के दौरान एसकेएम पार्टी की ओर से इसके कार्यकर्ताओं में वितरित कि जा रहे वाहन के लिए कोष से संबंधित सवाल पर मुख्यमंत्री की ओर से दिया गया जवाब गैर जिम्मेदारना और असंवैधानिक है। यह आरोप विपक्षी एसडीएफ पार्टी के प्रचार प्रसार उपाध्यक्ष कृष्ण खरेल ने यहां एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

कृष्ण खरेल ने कहा कि सिक्किम विधानसभा का दो दिवसीय सत्र कल संपन्न हुआ। उस सत्र में विभिन्न नए विधेयक और संशोधन विधेयक बहस के लिए पेश किए गए। बहस के दौरान विधायकों ने तरह-तरह के सवाल किए। श्री खरेल ने कहा कि कार्यकर्ताओं को वाहन वितरण के लिए पैसे के स्रोत को लेकर किए गए सवाल पर दिया गया जवाब गैर जिम्मेदाराना, कानून के खिलाफ और असंवैधानिक था।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था जिम्मेदार विधायक द्वारा सदन में उठाये गये जन सरोकार के सवाल पर सदन के नेता को जवाबदेह, तथ्यात्मक, सच्चाई पर आधारित और तार्किक जवाब देना चाहिए था। सदन को गुमराह करना, जनता को गुमराह करना है। इस दिन को सिक्किम के लोकतांत्रिक इतिहास में एक अशुभ दिन के रूप में चिह्नित किया जाएगा। सरकार द्वारा शुरू की गई किसी भी योजना में धन का स्पष्ट और पारदर्शी स्रोत होना चाहिए। लेकिन धन के स्रोत को दिखाने के लिए सदन के नेता की अक्षमता उनकी सबसे बड़ी कमजोरी है।

ऐसे समय में जब देश के प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहे हैं, सिक्किम में सदन के नेता का ऐसा भ्रष्ट जवाब ही साबित (शेष पृष्ठ ०३ पर)

रिकवरी बिल में संशोधन अत्यंत 'कठोर' : डी.आर. थापा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अगस्त । भारतीय जनता पार्टी के विधायक डी.आर. थापा ने सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी बिल में संशोधन को 'कठोर' करार दिया है।

विधानसभा में संशोधन विधेयक के पारित किए जाने के क्रम में डी.आर. थापा ने सवाल किया कि आखिर बिल में अपील के लिए कोई जगह क्यों नहीं है? जिला कलेक्टर को क्यों सुप्रीम कोर्ट के जज के समान क्यों बनाया गया है, क्या डीसी भगवान हैं? डीसी को इतनी शक्ति क्यों दी गई है? जिरह के लिए कोई जगह नहीं है और निष्पक्ष सुनवाई नहीं है। यह प्राकृतिक कानून का उल्लंघन है। डीसी द्वारा ट्रायल अर्ध-न्यायिक होगा। इसलिए इस संशोधन को सही करने की आवश्यकता है। सिक्किम में लोग कर्ज के लिए जमीन गिरवी रख सकते हैं, लेकिन राज्य के बाहर के बकाएदारों का क्या? इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है।

सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी एक्ट, 2006 को उन लोगों से सार्वजनिक मांगों को वसूलने के लिए अधिनियमित किया गया था, जो समय पर स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम से लिए गए कर्ज सहित विभिन्न सरकारी राजस्व और बकाया का भुगतान करने में चूक कर रहे थे। प्रमाणपत्र अधिकारी (डीसी) के समक्ष आवेदन करने के बाद नई धारा 4ए प्रक्रिया के सम्मिलन के साथ संशोधन में उल्लेख किया गया है कि विवाद के निर्णय के लिए इस अधिनियम के तहत सारांश प्रक्रिया अपनाई जाएगी। हलफनामे पर साक्ष्य लिए जाएंगे और कुछ योग्य मामलों को छोड़कर जिरह की अनुमति नहीं दी जाएगी। नए संशोधन में इसके अलावा 4बी, 4सी, 4डी, 6ए, 6बी, 10ए, 12ए, 13ए, 14ए, 14बी, 14सी, 14डी, 14ई, 14एफ, 14जी और 15ए उपधाराएं शामिल हैं।

विधानसभा स्थगित होने के बाद डी.आर. थापा ने कहा कि मुझे लगता है कि सबसे बड़ी चिंता जिरह की कमी को लेकर है, जिससे निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो पाएगी। यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश का भी फैसला अंतिम नहीं होता है और वहां भी अपील की गुंजाइश होती है। अंतरराष्ट्रीय अदालतों में भी जिरह की अनुमति है। तो यह संशोधन डीसी को ऐसी शक्ति कैसे दे सकता है कि जिरह नहीं की जा सकती? साथ ही यह संशोधन सवाल करता है कि राज्य के बाहर से वसूली कैसे की जाएगी। उन्होंने कहा कि ये कुछ ऐसी चिंताएं थीं जिन पर सरकार को गौर करने की जरूरत थी।

उन्होंने कहा कि जून 2008 से पहले के राजपत्र में वर्णित प्रमाण पत्र अधिकारी या जिला कलेक्टर की शक्तियों में उल्लेख है कि प्रत्येक प्रमाण पत्र अधिकारी को आपराधिक संहिता की धारा 345, 346 और 347 के उद्देश्य से एक सिविल कोर्ट माना जाएगा। पैसे के लिए प्रमाण पत्र जारी करने से संबंधित किसी भी विवाद की जांच के उद्देश्य से प्रत्येक सिविल अधिकारी के पास सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत दीवानी न्यायालय को दी गई शक्तियां होती है। गवाह की परीक्षा और प्रत्येक जांच के उद्देश्य से कमीशन जारी करना भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 193 और 228 के अर्थ के तहत एक न्यायिक कार्यवाही मानी जाती है।

अपर बर्तुक विधायक द्वारा उठाए गए सवालों के बावजूद, सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी अमेंडमेंट बिल को विधानसभा में पारित कर दिया गया। विधायक थापा की आपत्तियों के जवाब में, भू-राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केएन लेप्चा ने कहा कि सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी बिल 2006 में पारित किया गया था। लेकिन हम सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद इसे और अधिक कठोर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम राज्य सरकार की बैंकिंग प्रणाली है। कर्ज लिया है तो, पैसा वापस करना होगा। केवल विलफुल डिफॉल्टरों के खिलाफ ही सख्त कार्रवाई है। हालांकि, सरकार सुझावों पर गौर करेगी और डिफॉल्टरों को कुछ मौका दिया जाएगा। हम ऋण वसूली सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं जो किसी अन्य राज्य के विपरीत है। कोशिश यह है कि डिफॉल्टरों के पैसे के मुद्दों को बिना अदालत के हल किया जाए और इस तरह इस मुद्दे को जिला कलेक्टर द्वारा स्वयं हल किया जा सकता है।

हालांकि, स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी में संशोधन का स्वागत किया। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए, प्रबंध निदेशक पीडब्लू भूटिया ने कहा कि सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी एक्ट, 2006 में कवरेज का क्षेत्र सीमित था। सरकार ने देश के बाकी हिस्सों के समान एक अधिनियम लाने के लिए संशोधन किया है। यह अधिनियम बिजली, जल कर और अन्य जैसी वसूली के लिए सरकार के सभी राजस्व-देय क्षेत्रों में लागू होगा। जब सरफेसी अधिनियम, 2002 जैसे एसबीएस नियमों की बात आती है, जो बैंकों को किसी भी अदालत में जाने के बिना संपत्तियों को स्वयं संलग्न करने का अधिकार देता है, तो उक्त अधिनियम और नियम एसबीएस में लागू नहीं होते हैं। हमें एक मजबूत अधिनियम (शेष पृष्ठ ०३ पर)

प्लास्टिक बोतलों पर प्रतिबंध पर कड़ाई शुरु

शहरी निकायों में शहरी विकास विभाग ने चलाया अभियान

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अगस्त । शहरी विकास विभाग की देखरेख में शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) ने 2 लीटर और उससे कम क्षमता की प्लास्टिक की पानी की बोतलों के उपयोग, निर्माण, आयात और बिक्री पर प्रतिबंध को लागू करने के लिए राज्य भर के विभिन्न शहरों / कस्बों में गहन जांच शुरू कर दी है। यह प्रतिबंध पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के अनुसार लगाया गया है। यह जानकारी यहां जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

ज्ञात हो कि राज्य में एक जनवरी से प्लास्टिक की दो लीटर से कम क्षमता वाली पानी की बातलों पर प्रतिबंध है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण वर्तमान दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और देश के नागरिकों को भारत के संविधान के अनुसार एक स्वस्थ, स्वच्छ और सभ्य वातावरण का मौलिक अधिकार है। राज्य सरकार ने अपने पर्यावरण समर्थक उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए और सभी की सुरक्षा के लिए भी जनहित (शेष पृष्ठ ०३ पर)

आतंकवाद को हराने के लिए एससीओ देश मिलकर करें काम : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के देशों का सभी तरह के आतंकवाद का जड़ से सफाया करने के लिए आह्वान किया है। सिंह ने बुधवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के देशों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि सीमा पार आतंकवाद सहित सभी प्रकार का आतंकवाद चाहे वह किसी भी रूप में हो और किसी ने भी किया हो तथा किसी भी उद्देश्य के लिए किया गया हो मानवता के विरूद्ध अपराध है।

उन्होंने कहा, आतंकवाद वैश्विक शांति तथा सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। भारत सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने, क्षेत्र को शांतिपूर्ण, सुरक्षित तथा स्थिर बनाने के अपने संकल्प को दोहराता है। हम एससीओ सदस्य देशों के साथ मिलकर संस्थागत क्षमता विकसित करने , सदस्यों एवं समाज के बीच सहयोग बढाने तथा सहयोग की भावना को मजबूत बनाने के इच्छुक हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारत का अगले वर्ष सदस्य देशों के रक्षा मंत्रालयों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन करने का प्रस्ताव है जिसका विषय मानवीय सहायता और आपदा राहत - जोखिम कम करना एवं आपदा रोधी संरचना 'है।

उन्होंने एसएसीओ देशों के रक्षा विचारकों के बीच रूचि के विषयों पर वार्षिक सेमिनार के आयोजन का भी सुझाव दिया ।रक्षा मंत्री ने शांतिपूर्ण , सुरक्षित और स्थिर अफगानिस्तान का समर्थन करते हुए कहा कि भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, स्वतंत्रता , राष्ट्रीय एकता और विदेश नीति में हस्तक्षेप का पक्षधर नहीं है। उन्होंने सभी का अनुरोध किया कि वे अफगानिस्तान प्रशासन को संवाद और बातचीत से राष्ट्रीय सहमति बनाने तथा देश में व्यापक, समावेशी एवं प्रतिनिधितव आधारित राजनीतिक ढांचा बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने इस मामले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के महत्व का भी उल्लेख किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी देश को डराने या आतंकवादियों को शरण देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाने तथा उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा पर भी उन्होंने बल दिया। यूक्रेन की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भारत संकट के समाधान के लिए रूस तथा यक्रेन के बीच बातचीत का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, भारत यूक्रेन और उसके आस पास मानवीय संकट को लेकर चिंतित है। हमने मानवीय सहायता पहुंचाने के संयुक्त राष्ट्र महासचिव और संयुक्त राष्ट्र एजेन्सियों के प्रयासों का भी समर्थन किया है।''

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में एससीओ देशों के साथ भारत के प्राचीन संबंधों का भी उल्लेख किया और कहा कि सभी क्षेत्र की प्रगति तथा समृद्धि में साझीदार हैं। इससे पहले राजनाथ सिंह ने रूसी रक्षा मंत्री सेर्गेइ शोइग्यू के साथ सुबह मुलाकात की और भारत में हमले की योजना बना रहे आतंकवादी को गिरफ्तार किये जाने के लिए भारत की ओर से आभार प्रकट किया।

एक साथ छह मोर्चों पर काम कर रही है सरकार : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए केंद्र सरकार एक साथ छह मोर्चों पर काम कर रही है और रिकॉर्ड निवेश कर रही है। यहां होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र'' का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा कि भारत में स्वास्थ्य के क्षेत्र में जितना काम पिछले आठ साल में हुआ है उतना पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ है। उन्होंने प्रीवेंटिव हेल्थ केयर यानी बीमारी से बचाव को बढ़ावा दिए जाने को पहला और गांवों में छोटे और आधुनिक अस्पताल खोले जाने को दूसरा मोर्चा बताया।

इस कड़ी में उन्होंने शहरों में मेडिकल कॉलेज और शोध वाले बड़े संस्थान खोलना, देश भर में चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मियों की संख्या बढ़ाना, मरीजों को सस्ती दवाइयां व सस्ते उपकरण उपलब्ध कराने और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करके मरीजों को होने वाली मुश्किलें कम करने को अन्य चार मोर्चे बताया, जिन पर सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा, इस पर केंद्र सरकार रिकॉर्ड निवेश कर रही है... हजारों करोड़ रुपए खर्च कर कर रही है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं का मतलब सिर्फ चार दीवारें बनाना नहीं होता है।

उन्होंने कहा, किसी भी देश का स्वास्थ्य सिस्टम तभी मजबूत होता है, जब वो हर तरह से समाधान दे, कदम-कदम पर मरीजों का साथ दे और इसलिए पिछले आठ वर्षों में देश में संपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा गया है।''

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अस्पताल का 660 करोड़ रुपये की लागत से टाटा मेमोरियल सेंटर ने निर्माण किया है, जो भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत सहायता-प्राप्त संस्थान है।

यह कैंसर अस्पताल तृतीयक स्तर का अस्पताल है, जिसकी 300 बिस्तरों की क्षमता है। अस्पताल कैंसर के सभी प्रकारों के उपचार के लिये हर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां सर्जरी, रेडियोथेरेपी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध होगी। यह अस्पताल पूरे क्षेत्र में कैंसर सुविधा और उपचार के लिये केंद्र के रूप में और संगरूर में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल इसकी शाखा के रूप में कार्य करेगा।

बिहार में सरकार जमाते ही ऐक्शन में नीतीश, योगी के गढ़ पर नजर

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेन्सी)। बिहार में बीजेपी गठबंधन से अलग होने के बाद जेडीयू उत्तर प्रदेश में और खास तौर पर बिहार की सीमा से लगे पूर्वी जिलों में अपना आधार मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है।

इसी कड़ी में जेडीयू ने बाहुबली नेता और जौनपुर के पूर्व लोकसभा सांसद धनंजय सिंह को उत्तर प्रदेश में पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। धनंजय सिंह ने गृह जिले की मल्हानी सीट से 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन वो जीत नहीं सके थे। उनकी पत्नी श्रीकला रेड्डी जौनपुर में जिला पंचायत अध्यक्ष हैं।

मंगलवार को लखनऊ में प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल की अध्यक्षता में जदयू प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें धनंजय सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी नेताओं ने बिहार में जद (यू) और राष्ट्रीय जनता दल की 'महागठबंधन' सरकार का स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि जेडीयू की उत्तर प्रदेश में भी अपने कैडर का विस्तार करने की योजना है।

उन्होंने कहा- पार्टी नेताओं को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जिले से लेकर बूथ स्तर तक समितियां बनाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जेडीयू कार्यकर्ताओं को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदर्शों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए।

अनूप सिंह पटेल ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी यूपी में उम्मीदवार उतार सकती है। पटेल ने कहा कि पार्टी यूपी में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की कीमतों में वृद्धि, बढ़ती बेरोजगारी, किसानों की पीड़ा और व्यापारियों के उत्पीड़न जैसे मुद्दों की विफलता को उजागर करेगी।

गौरतलब है कि जेडीयू ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा के साथ गठबंधन की वार्ता फेल होने के बाद 27 विधानसभा सीटों से उम्मीदवार उतारे थे। हालांकि पार्टी यूपी में अपना खाता भी नहीं खोल पाई थी और उसका कुल वोट शेयर सिर्फ 0.11 प्रतिशत था।

सिसोदिया-केजरीवाल दोनों शराब घोटाले में शामिल, कांग्रेस बोली- बड़ी तेजी से आप ने भ्रष्टाचार का सफर तय किया

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस ने कहा है कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ दिल्ली के प्रमुख सचिव के रिपोर्ट देने और सारे साक्ष्य उनके विरुद्ध होने के बावजूद मुख्यमंत्री केजरीवाल उनका बचाव कर उन्हें भारत रत्न देने की बात कर रहे हैं, जिससे साफ है कि दोनों नेता इस शराब कांड में शामिल हैं। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल सरकार ने ईमानदारी से भ्रष्टाचार तक का सफर बहुत जल्दी तय किया है।

इस सरकार ने दिल्ली को बर्बाद करने के लिए गली मोहल्लों में शराब के ठेके खोलने की नीति बनाई और एक बोतल के साथ मुफ्त बोतल देकर घोटाला किया है। उन्होंने कहा कि जिस शराब नीति ने दिल्ली को राजस्व के हिसाब से ज्यादा पैसा मिलने की बात की जा रही थी तो उस नीति को फिर वापस क्यों लिया गया। नीति गलत थी तो फिर आबकारी मंत्री के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए। सिसोदिया कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का उनके विधायकों को फोन आ रहे है तो फोन करने वाले नेताओं का नाम भी उजागर होना चाहिए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पंजाब में स्वास्थ्य मंत्री जेल गये तो इसको लेकर खूब ढोल पीटा गया गया लेकिन जिस व्यक्ति के खिलाफ दिल्ली के मुख्य सचिव रिपोर्ट देते हैं उन उपमुख्यमंत्री को बचाने के लिए केजरीवाल खुद सामने आकर उनका बचाव करने लगते हैं। इससे साफ है कि केजरीवाल भी इस मामले में शामिल है इसलिए भ्रष्टाचारी मंत्री का बचाव कर उन्हें भारतरत्न देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में शराब घोटाले की बात हो रही है तो इसमें शिक्षा नीति और स्वास्थ्य नीति को क्यों लाया जा रहा है।

स्वास्थ्य नीति यदि बहुत अलग थी तो दिल्ली में कोरोना के समय बेड नहीं मिलने के कारण सड़कों पर तड़पते हुए लोगों क्यों दम तोड़ रहे थे। इसी तरह से दिल्ली की शिक्षा की बात करने वालों को भी समझना चाहिए कि दिल्ली के बोर्ड के परिणाम देश के पहले 10 राज्यों में भी शामिल नहीं है जबकि पहले स्थिति इसके विपरीत थी। उन्होंने भाजपा पर भी हमला किया और कहा कि उसने भी शराब नीति का फायदा उठाया और शराब माफियाओं से जमकर के चंदा लिया। यही वजह है कि भाजपा इस मामले में कभी मुखर नहीं रही और अब कांग्रेस के प्रयास से मामला सामने आया तो बड़ी-बड़ी बातें की जा रही है।

अब विदेशों में भी खोले जाएंगी आईआईटी के कैंपस, सात देशों में शुरु करने की चर्चा

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। आईआईटी व अन्य इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए जेईई की परीक्षाएं दोहा, दुबई, काठमांडू, मस्कट, रियाद, शारजाह, सिंगापुर, कुवैत, लागोस, कोलंबो, जकार्ता, वियना, मॉस्को, व बैंकॉक जैसे विदेशी शहरों में आयोजित की गई हैं।

परीक्षाओं से आगे बढ़ते हुए अब इंग्लैंड, मिस्र, सऊदी अरब, यूएई, कतर, मलेशिया और थाइलैंड सरीखे 7 देशों में आईआईटी के ग्लोबल कैंपस खोले जा सकते हैं। दरअसल, आईआईटी के ग्लोबल विस्तार के लिए केंद्र द्वारा एक समिति बनाई गई थी। इस समिति ने विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों से परामर्श के बाद इंग्लैंड, मिस्र, सऊदी अरब, यूएई, कतर, मलेशिया और थाइलैंड में आईआईटी के ग्लोबल कैंपस खोलने की बात कही है।

समिति ने विदेशों में आईआईटी के कैंपस 'इंडियन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' के नाम से खोलने का सुझाव दिया है। आईआईटी काउंसिल स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन के नेतृत्व में 17 सदस्यीय कमिटी ने अपनी रिपोर्ट बनाकर शिक्षा मंत्रालय को दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इन सात देशों के मापदंड कैंपस खोलने के लिए बेहतर हैं।

यह रिपोर्ट 26 देशों में स्थित भारतीय मिशनों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर तैयार की गई है। गौरतलब है कि आईआईटी में दाखिले के लिए जेईई एडवांस की परीक्षा 28 अगस्त को होनी है। जेईई एडवांस परीक्षा की पहली शिफ्ट का टेस्ट सुबह 9 बजे से 12 बजे तक और सेकंड शिफ्ट 2 बजकर 30 मिनट से शाम 5 बजकर 30 मिनट तक होगी। टेस्ट का समय 3 घंटे है।

आईआईटी बॉम्बे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, पहले जेईई एडवांस परीक्षा 28 अगस्त को परीक्षा होने के बाद 3 सितंबर को परीक्षा की प्रोविजनल 'आंसर-की' जारी की जाएगी। वहीं 11 सितंबर को जेईई एडवांस का रिजल्ट घोषित किया जा सकता है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने सोमवार 8 अगस्त को जेईई (मेंस) के दोनों सत्रों का फाइनल रिजल्ट घोषित कर दिया। जेईई (मेंस) के फाइनल रिजल्ट में कुल 24 छात्रों ने 100 फीसदी अंक हासिल किएं। इससे पहले पिछले महीने जारी किए गए जेईई (मेंस) के पहले सत्र में कुल 14 छात्रों ने शत प्रतिशत अंक हासिल किए थे। जेईई (मेंस) के पहले और दूसरे सत्र में कुल मिलाकर 9 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा नि:शुल्क एनीमिया जांच और जागरुकता शिविर

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 24 अगस्त । सिंगरौली और आसपास के सुदूर गावों में स्वास्थ्य सम्बन्धित जागरूकता लाने और एनीमिया उन्मूलन के लिए महान इनर्जेन लिमिटेड के सहयोग से अदाणी फाउंडेशन ने बुधवार को एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। प्रोजेक्ट प्रभावित कर्सुआलाल और खैराही गांव में लगाए गए शिविरों में करीब 60 स्थानीय महिलाओं और किशोरियों ने अपने हीमोग्लोबिन और एनीमिया से सम्बन्धित जांच करवायी। इस कैंप में रक्त की कमी से होनेवाली एनीमिया रोग के कारण एवं बचाव से सम्बन्धित उचित मार्गदर्शन और परामर्श दिया गया ताकि समय रहते ही दवाइयां इत्यादि लेकर खून की कमी को दूर कर सकें।

इस मौके पर उपस्थित मेडिकल टीम, आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की टीम ने एकत्र स्थानीय महिलाओं और किशोरियों को एनीमिया से बचाव के लिए पौष्टिक आहार लेने के प्रति जागरूक करते हुए सलाह दी कि हर 6 महीने में हीमोग्लोबिन की जांच करवानी चाहिए तथा संतुलित आहार का प्रयोग करना चाहिए।

गौरतलब है कि महान इनर्जेन लिमिटेड प्रोजेक्ट से प्रभावित गावों में अदाणी फाउंडेशन द्वारा एनीमिया जागरुकता अभियान को एक मुहिम के तौर पर चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत मेडिकल टीम, आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी टीम के सहयोग से किशोरियों और ग्रामीण महिलाओं के लिए नि:शुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन दवा का वितरण किया जा रहा है।

इसके साथ हीं स्थानीय महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है कि किस तरह वो हरी सब्जियां, फलों और पत्तियों वाली सब्जियों का नियमित रूप से सेवन कर सकती हैं जिससे उनके शरीर में पोषक तत्वों की कमी को दूर किया जा सके।

कार्यक्रम का संचालन सीएसआर के मनोज प्रभाकर के द्वारा किया गया जहां प्रेमलता जायसवाल और कुसुमकली सिंह (आशा कार्यकर्ता), चम्पा देवी, केस कुमारी, सीता सिंह, लीलावती सिंह और रविता गुप्ता (आंगनबाड़ी कार्यकर्ता), राजपति, पल्लवी कुमारी, सत कुमारी जायसवाल और कमलेश कुमारी (मेडिकल टीम), मणिलाल प्रजापति, सरपंच, कर्सुआलाल, सुनील जायसवाल, उप सरपंच, कर्सुआलाल के साथ-साथ गांव के प्रमुख लोगों में सोहन लाल जायसवाल, सोहनलाल गुप्ता, ओमप्रकाश जायसवाल और प्रोजेक्ट ऑफिसर ऋषभ पाण्डेय की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

नीतीश ऐसे बल्लेबाज जो दूसरे बैट्समैन को रन आउट कराते रहते हैं : तारकिशोर प्रसाद

पटना, 24 अगस्त (का.सं.)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने सीएम नीतीश कुमार की तुलना क्रिकेट के उस बल्लेबाज से की है जो खुद तो क्रीज पर डटा रहता है लेकिन दूसरी छोड़ पर खेल रहे बैट्समैन को रन आउट करवा देता है। बिहार विधानसभा में नीतीश सरकार के विश्वासमत प्रस्ताव पर बहस के दौरान बीजेपी नेता तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि नीतीश ऐसे सीएम हैं जिनका डिप्टी बदलता रहता है।

तारकिशोर प्रसाद ने एनडीए छोड़ने और बीजेपी के साथ चल रही सरकार तोड़ने को जनादेश का अपमान बताते हुए कहा कि नीतीश कुमार आजतक एक बार अपने दम पर मुख्यमंत्री नहीं बन पाए हैं लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की है। तारकिशोर प्रसाद ने जॉर्ज फर्नांडीस, शरद यादव को दरकिनार करने की चर्चा करते हुए कहा कि निजी महत्वाकांक्षा के चलते ही नीतीश ने 2013 में बीजेपी को धोखा दिया और फिर नौ साल बाद दोबारा अब विश्वासघात किया है।

तारकिशोर प्रसाद ने लालू यादव द्वारा नीतीश को बार-बार केंचुल छोड़ने वाला सांप बताने की याद दिलाते हुए कहा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने रहते हैं लेकिन उनके डिप्टी बदल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब से आरजेडी की सरकार में वापसी हुई है तब से बिहार में जंगलराज की वापसी हो गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब आरजेडी नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप से अब कोई फर्क नहीं पड़ता।

बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दौरान नीतीश के नाम लिए बिना पीएम मोदी पर चलाए तंज के तीर

पटना, 24 अगस्त (का.सं.)। बिहार विधानसभा में सरकार के विश्वास मत पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना उनपर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी के पुराने नेता मुझे काफी मानते थे और मेरी बातों पर ध्यान देते थे। उन्होंने कहा कि अभी केंद्र में काम नहीं, सिर्फ प्रचार हो रहा है।

नीतीश ने सबसे पहले वर्ष 2013 से शुरुआत की, जब बीजेपी और जेडी(यू) की राहें अलग हुई थीं। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा, 'हमलोग 2013 में क्यों अलग हुए यह पहले जान लीजिए। उस समय अटल जी की तबीयत ठीक नहीं थी, तो तब बाकी जो नेता थे उनकी बात होनी चाहिए थे।' नीतीश ने इशारों-इशारों में बताना चाह रहे थे कि उनकी इच्छा थी की 2014 के चुनाव में बीजेपी के बड़े नेता लालकृष्ण आडवाणी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया जाए। उन्होंने आगे कहा, 'अटल जी, आडवाणी जी और मुरली मनोहर जोशी जी सभी आप ही के पार्टी के नेता थे। यह सभी मेरी बात सुनते थे और मानते थे।'

बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी के बड़े नेता मुझे कितना मानते थे इससे भी समझ लीजिए कि जब बिहार के इंजीनियरिंग कॉलेज जिससे मैंने भी पढ़ाई की है, उसे एनआईटी का दर्जा नहीं मिला था और हमने कहा तो कैबिनेट बुलाकर उसे मान्यता दी गई। उन्होंने दूसरी तरफ मौजूदा सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि इन लोगों ने पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय (विश्वविद्यालय) का दर्जा देने का मेरा अनुरोध स्वीकार नहीं किया।

नीतीश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना उन पर हमला बोला कि आज काम नहीं प्रचार हो रहा है। लोगों की आमदनी घट रही है। किस प्रकार का काम हो रहा है।रोज रोज केवल प्रचार हो रहा है और काम नहीं। उन्होंने कहा कि बिहार में सड़कें आठ सालों से नहीं बन रही हैं, अटल जी की सरकार में फैसला हुआ था कि बिहार के गांव-गांव में सड़कें बनाई जाएं। बीजेपी विधायकों के आरोपों का जवाब देते हुए नीतीश ने कहा, 'मेरे खिलाफ आप बोलोगे तो आपको जगह मिलेगी। जो लोग मेरे साथ पहले थे, उन्हें मौका नहीं दिया गया। मेरे खिलाफ बोलोगे और दिल्ली वाला जगह देगा, तब हमको अच्छा लगेगा।'

नीतीश कुमार ने कहा कि बीजेपी से अलग होने के बाद देशभर से मुझे फोन आ रहे हैं कि आपने बहुत अच्छा किया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'आजादी के 75वें वर्ष पर यह कह रहे थे यह काम होगा, वह काम होगा। पहले यह तो बताइए कि आजादी की लड़ाई में कहां थे आप लोग? क्या आजादी की लड़ाई लड़े हैं? मेरी बात सुन लीजिए, यह लोग बापू को खत्म करना चाहते हैं। समाज में टकराव खड़ा करना और हिंदू-मुस्लिम का झंझट पैदा करना इनका काम है।'

पीएम आज सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम मंत्रियों को संबोधित करेंगे

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 'श्रम मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन' को वर्चुअल तौर पर संबोधित करेंगे।

दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा तिरुपति, आंध्र प्रदेश में किया जा रहा है।

श्रम संबंधी विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सहकारी संघवाद की भावना से सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह बेहतर नीतियां बनाने और श्रमिकों के कल्याण के लिए योजनाओं को सुनिश्चित करने में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच और तालमेल बनाने में मदद करेगा।

सम्मेलन में सामाजिक सुरक्षा को सार्वभौमिक बनाने के लिए ऑन-बोर्डिंग सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए ई-श्रम पोर्टल को एकीकृत करने पर चार विषयगत सत्र होंगे, राज्य सरकारों द्वारा संचालित ईएसआई अस्पतालों के माध्यम से चिकित्सा देखभाल में सुधार और पीएमजेएवाई के साथ एकीकरण के लिए स्वास्थ्य से समृद्धि, चार श्रम संहिताओं के तहत नियम बनाना और उनके कार्यान्वयन के तौर-तरीके, विजन श्रमेव जयते 2047 काम की न्यायसंगत और समान परिस्थितियों पर चर्चा होगी।

एमवीए और शिंदे गुट के विधायकों के बीच हुई धक्का-मुक्की

मुंबई, 24 अगस्त (एजेन्सी)। महाराष्ट्र विधानसभा में बुधवार सुबह विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) विधायकों को सत्तापक्ष के शिंदे गुट में विवाद छिड़ गया और बाद में उनके बीच धक्का-मुक्की तक हो गई।

विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एमवीए विधायकों ने शिंदे गुट के कुछ विधायकों को घेर लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की हो गई।

शिंदे गुट के विधायक दिलीप लांडे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अमिल मितकारी ने एक-दूसरे को धक्का दिया और हाथापाई की।

शिंदे समूह के विधायकों ने भी शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस के आरोपों का विरोध करने के लिए अपने ही नारे और पोस्टर लहराते हुए पलटवार किया, जिससे सदन के बाहर शोर-शराबा हुआ।

शिंदे गुट के विधायकों ने जवाब में कहा, 'बीएमसी खोके, मातोश्री ओके, (सचिन) वाजे खोके, शिवसेना ओके, लवासा खोके, बारामती ओके।' इससे एक दिन पहले शिंदे ने विपक्ष को चेतावनी दी थी कि वह उन लोगों के रिकॉर्ड को उजागर कर सकते हैं, जो उन्हें और उनके शिवसेना के बागी विधायकों के समूह को निशाना बना रहे हैं। इस पर विपक्ष के नेता अजीत पवार ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सीएम के बयानों से विपक्ष को ठेस पहुंचा है। विपक्ष ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित शिंदे सरकार को 'गद्दार', '50 करोड़ रुपये, बहुत ठीक', 'तव वटी, चाओ गुवाहाटी' (कटोरा लो, गुवाहाटी जाओ) और 'ईडी जिसकी मम्मी, वो सरकार निकम्मी' जैसे नारों के साथ परेशान किया।

17 अगस्त को विधानसभा सत्र की शुरुआत के बाद से रोजाना विरोध और नारेबाजी चलती रही है, जिसे व्यापक मीडिया कवरेज मिलता रहा है।

प्लास्टिक बोतलों पर .....

में प्रतिबंध का यह ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह निर्णय भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुरूप भी है, जिसके अनुसार ऐसी वस्तुओं से स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र दोनों को होने वाले खतरों की उच्च संभावना को देखते हुए विभिन्न एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है।

प्रतिबंधों को कड़ाई से लागू करने के लिए 22 अगस्त से सभी नगरपालिकाओं में एक साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में शहरी निकाय के अधिकारियों अधिकारियों की टीम ने पुलिस कर्मियों के सहयोग से प्लास्टिक की बोतलों और एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध को सत्यापित करने और लागू करने के लिए दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। पहले दिन सिंगतम नगर पंचायत से भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई और दूसरे दिन 24 अगस्त को भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रही। रंगपो चेकपोस्ट पर, अधिकारियों ने पुलिस और अन्य लाइन विभागों की मदद से पर्यटकों और अन्य यात्रियों से प्रतिबंधित पानी की बोतलें जब्त कीं।

जोरथांग, नामची, गंगटोक, गेजिंग, मंगन आदि में भी व्यापक निरीक्षण किए गए और भविष्य में भी इसी तरह की कवायद जारी रहेगी। विभाग ने सभी से अपील की है कि वे पर्यावरण और खुद की सुरक्षा को देखते हुए प्रतिबंध का पालन करें।

वाहन वितरण पर .....

करता है कि सिक्किम सरकार अब भ्रष्टाचार के दलदल में डूब चुकी है। एसडीएफ पार्टी सदन के नेता के इस बयान की कड़ी निंदा करती है। श्री खेरल ने कहा कि हमारी पार्टी प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई से अनुरोध करती है कि इस मामले की पूरी तरह से जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सदन में पारित कुछ विधेयक तानाशाही और सिक्किम के लोगों के अधिकारों का अतिक्रमण करने वाले हैं। चूंकि ऐसे बिल भी हैं जो बहुत कठिन प्रक्रिया को पूरा करने के बाद ही आम लोगों को अपना व्यवसाय करने की अनुमति देते हैं, हमारी पार्टी सिक्किम सरकार से उन बिलों को ठीक करने का अनुरोध करती है।

रिकवरी बिल में संशोधन ....

की आवश्यकता थी लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सरकार या एसबीएस इस तरह के एक अधिनियम को लागू करके कर्जदारों या ग्राहकों को परेशान करना चाहती है। जो चूककर्ता जानबूझकर अपने चूक कर रहे हैं, उन्हें सतर्क रहने की आवश्यकता है, अधिनियम के अनुसार वसूली के लिए आवश्यक कड़ी कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष पद के लिए 28 अगस्त को होगा चुनाव

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कार्यक्रम तय करने के लिए 28 अगस्त को अपनी कार्य समिति की बैठक बुलाई है।

पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की तारीखों के शेड्यूल को मंजूरी देने के लिए सीडब्ल्यूसी की एक वर्जुअल बैठक 28 अगस्त, 2022 को दोपहर 3:30 बजे आयोजित की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सीडब्ल्यूसी की बैठक की अध्यक्षता करेंगी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए शीर्ष विकल्प के रूप में उभरे हैं। सूत्रों ने कहा है कि सोनिया गांधी ने चिकित्सा जांच और इलाज के लिए विदेश जाने से पहले एक बैठक के दौरान उनसे पदभार संभालने का अनुरोध किया था। गहलोत खेमे ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूत्रों ने कहा है कि कांग्रेस शीर्ष पद के लिए गांधी परिवार से अलग नेता की तलाश कर रही है।

कांग्रेस का केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण अगले कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा के लिए पार्टी की कार्य समिति से मंजूरी का इंतजार कर रहा है। राहुल गांधी के इनकार के बाद से पार्टी आम सहमति के उम्मीदवार की तलाश में है।

जबकि सूत्रों ने कहा कि शीर्ष विकल्प अशोक गहलोत ही हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने सोमवार को कहा कि राहुल गांधी को अपने फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए, क्योंकि इससे पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटेगा। गहलोत खुद पार्टी अध्यक्ष नहीं बनना चाहते। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष के लिए शीर्ष और सर्वसम्मत पसंद हैं।

सूत्रों ने यह भी कहा कि कांग्रेस सितंबर तक संगठनात्मक चुनाव पूरा करना चाहती है, क्योंकि वह राज्य समितियों और हरियाणा के साथ गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा के इस्तीफे के बाद जी-23 ग्रुप के निशाने पर नहीं आना चाहती है। हरियाणा के भूपिंदर सिंह हुड्डा भी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ हैं।

साथ ही, मनीष तिवारी ने अग्निपथ योजना पर कांग्रेस के विपरीत रुख अपनाया था, जिससे पार्टी को झटका लगा है।

कुछ समय पहले एक और विचार रखा गया था। जिसके तहत, सोनिया गांधी पार्टी अध्यक्ष के रूप में बनी रहेंगी, जबकि प्रत्येक क्षेत्र के लिए कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी।

पार्टी के शीर्ष पद के लिए दूसरा नाम छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का है।

सपा अपराधियों की संरक्षक पार्टी, अखिलेश यादव सबके सरदार : केशव मौर्य

अमेठी, 24 अगस्त (एजेन्सी)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने यहां कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को कटघरे में खड़ा किया। डिप्टी सीएम ने कांग्रेस पर अमेठी में विकास न करने और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया तो समाजवादी पार्टी को अपराधियों की संरक्षक पार्टी करार दिया। कलेक्ट्रेट सभागार में मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव के आजमगढ़ दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी गुंडों अपराधियों की संरक्षक पार्टी है। अखिलेश यादव उसके सरदार हैं।

अगर प्रदेश में समाजवादी पार्टी न होती तो उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त होता। भाजपा उत्तर प्रदेश को अपराध मुक्त और दंगा मुक्त बना रही है। प्रदेश अध्यक्ष के बाबत पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी हमारी मां की तरह है। धरती से बड़ी मां होती है। भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष संगठन तय करता है। मंत्री का पद आता जाता रहता है। मैं खुद को कार्यकर्ता मानता हूं और यह बात हर कार्यकर्ता जानता है। संगठन से सरकार बनती है।

सरकार से संगठन नहीं बनता। कलेक्ट्रेट में विकास कार्यों की समीक्षा करने के बाद श्री मौर्य ने कहा कि बिजली आवास हर घर नल योजना की समीक्षा की गई। अमेठी को एक परिवार अपनी जागीर समझता था। लेकिन यहां के विकास को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। कांग्रेस में केवल भ्रष्टाचार हुआ। आज भाजपा की डबल इंजन सरकार विकास कर रही है। राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के नेतृत्व में अमेठी में विकास हो रहा है। यहां के विकास के लिए खजाने से कोई कमी नहीं पड़ने पाएगी।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इसलिए उस पर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं है। लेकिन औरंगजेब ने मंदिर तोड़ा था। लोगों की भावनाओं को आहत करने के लिए क्षति पहुंचाई गई। औरंगजेब आक्रांता था।

इससे पहले डिप्टी सीएम ने भाजपा कार्यालय पर पदाधिकारियों के साथ बैठक की। यहां से निकल कर सेंभुई ग्राम में अमृत सरोवर का उद्घाटन किया और नंद घर में अन्नप्राशन और गोद भराई कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद परिसर में ही स्थित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों से मुलाकात की और पौधरोपण किया। उन्होने गौशाला का भी निरीक्षण किया। वहां से निकलने के बाद उन्होंने रोहसी खुर्द के बूथ अध्यक्ष राम कुमार पासी के यहां प्रदेश महामंत्री व एमएलसी गोविंद नारायण शुक्ला व अन्य लोगों के साथ भोजन किया।

आयुष्मान भारत के तहत ट्रांसजेंडरों को मिलेगी समग्र स्वास्थ्य सेवाएं

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के तहत ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को एक समावेशी व समग्र स्वास्थ्य पैकेज प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) व सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने देश में अपनी तरह के एक समझौता ज्ञापन की सराहना की, जो एबी-पीएमजेएवाई के तहत स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचकर ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक सही और सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित करने को प्रोत्साहन देगा।

मंडाविया ने इसे एक काफी महत्वपूर्ण दिन बताया। उन्होंने इसे देश में अपनी तरह का पहला समझौता बताया, जो एबी-पीएमजेएवाई के तहत स्वास्थ्य सेवाओं के तहत ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए उचित और सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित करने को प्रोत्साहन देगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'इस समझौता ज्ञापन ने समाज में एक ऐतिहासिक परिवर्तनकारी सुधार की नींव रखी है। यह कदम ट्रांसजेंडर समुदाय को विशेष स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, जो वंचित समुदाय के लिए समानता सुनिश्चित करने से आगे की पहल है।'

उन्होंने इसका उल्लेख किया कि ट्रांसजेंडर समुदाय को कलंक और बहिष्कार का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एबी-पीएमजेएवाई के तहत स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान समावेशी समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सुऑढ़ कदम है।

उन्होंने कहा, 'इसे देखते हुए यह उपयुक्त है कि आज डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं, क्योंकि उन्होंने देश के सभी समूहों में समानता के साथ एक समावेशी समाज के लिए वकालत की थी।'

मंडाविया ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार न केवल ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों को मान्यता देने के लिए एक निर्णायक तरीके से काम कर रही है, बल्कि उनके कल्याण के लिए कई तरह के व्यवस्थित कदम उठाए हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए कई पहल करने के लिए बधाई दी। इनमें 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019', गरिमा गृह, प्रधानमंत्री दक्ष कार्यक्रम और हाल ही में की गई अन्य योजनाएं/पहल शामिल हैं।

मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नए भारत' की सोच के तहत एक समावेशी समाज की दिशा में सरकार के प्रयासों में समाज के सभी वर्गों के साथ आने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि 'सरकार और समाज' के सहयोग से 'वंचित समुदाय' गरिमा व आत्मनिर्भरता के साथ प्रगति कर सकते हैं।

वहीं, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि इस परिवर्तन को लागू करने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ देश में रूपांतरणकारी बदलाव हो रहा है। उन्होंने पांच आश्वासनों- शिक्षा, सम्मान के साथ जीवन, स्वास्थ्य सहायता, आजीविका के अवसर और कौशल उन्नयन के पैकेज को लागू करने के लिए एमओएसजेई की ओर से उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया।

कुमार ने कहा कि ये कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए हैं कि हाशिए और वंचित समूह को सम्मानजनक जीवन और आजीविका प्राप्त हो, जिससे वे प्रतिबंधात्मक सामाजिक ढांचों से बाहर निकल सकें।

समझौता ज्ञापन पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के सीईओ डॉ. आर. एस. शर्मा और सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सचिव आर. सुब्रमण्यम ने हस्ताक्षर किए।

ईडी, आईटी और सीबीआई, बीजेपी के 3 जमाई : तेजस्वी

पटना, 24 अगस्त (का.सं.)। बिहार के उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा जहां भी सत्ता में नहीं होती वहां अपने तीन जमाइयों को आगे करती है।

इसमें ईडी, सीबीआई और आईटी (इनकम टैक्स विभाग) शामिल है। बिहार विधानसभा में विश्वास मत पर बहस में भाग लेते हुए तेजस्वी ने नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने देश हित और बिहार हित में निडर होकर फैसला किया।

उन्होंने राजद और जदयू को समाजवादी पार्टी बताते हुए कहा कि लालू प्रसाद ने आज तक सांप्रदायिक ताकतों के साथ हाथ नहीं मिलाया।

उन्होंने भाजपा के बिहार में जंगल राज बताए जाने पर तंज कसते हुए कहा कि हम भाजपा से पूछना चाहते हैं उनके पास ऐसा कौन सा तिलिस्म है जिससे वे सत्ता में रहते हैं तो मंगलराज रहता है। वहीं सत्ता से बाहर रहते ही जंगलराज आ जाता है। तेजस्वी ने कहा कि जंगलराज कहना बिहार की आत्मा को गाली देना है।

उन्होंने कहा कि आज संविधान को भुलाया जा रहा है। महंगाई चरम पर है, लेकिन कहीं कुछ नहीं हो रहा है।

कुछ मीडिया हाउस द्वारा गुरुग्रम के एक मॉल को तेजस्वी यादव का बताए जाने पर कहा कि कुछ मीडिया हाउस यह बता रहे हैं कि गुरुग्राम के जिस माल में सीबीआइ छापेमारी कर रही है, वह तेजस्वी का मॉल है।

तेजस्वी ने दावा कि देश की सबसे बड़ी एजेंसी कैसे जांच कर रही है, जो मॉल मेरा है ही नहीं, उसे मेरा नाम दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि मैंने उस मॉल के बारे में पूरी जानकारी निकाली तो पता चला कि उसके डायरेक्टर हरियाणा के रहने वाले हैं। इस मॉल का उद्घाटन भाजपा सांसद ने किया है।

GOVERNMENT OF NAGALAND
DIRECTORATE OF STATE LOTTERIES
NAGALAND :: KOHIMA

No.DSL/LOT-63/Scheme/2020 Dated, Kohima, the 22nd August 2022

NOTICE

This is to notify all concern that the following Tickets of Nagaland State Lotteries Dear Morning weekly scheme have been lost during transportation and the same has been duly intimated to the Airport Police Station West Bengal, by virtue of a General Diary vide No. 287 dated 06.08.2022.

The details of the missing Lottery Tickets numbers are as follows:

LOTTERY NAME	Draw Date	Serial No. & Series	From No.	To No.	Total Quantity
DEAR HOOGHLY MORNING FRIDAY WEEKLY LOTTERY	26/08/2022	77/ABCDE	50000	69999	1,00,000
DEAR DAMODAR MORNING SUNDAY WEEKLY LOTTERY	28/08/2022	72/ABCDE	70000	89999	1,00,000
DEAR DAMODAR MORNING SUNDAY WEEKLY LOTTERY	28/08/2022	74/GHJKL	90000	97999	40,000
DEAR DAMODAR MORNING SUNDAY WEEKLY LOTTERY	28/08/2022	75/GHJKL	90000	97999	40,000
DEAR DAMODAR MORNING SUNDAY WEEKLY LOTTERY	28/08/2022	76/GHJKL	90000	97999	40,000
			TOTAL		3,20,000

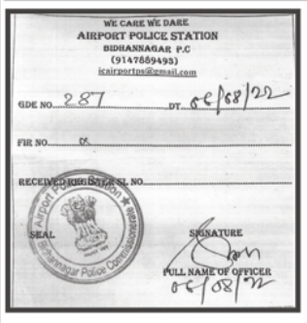

It is further notified that the aforementioned tickets are barred from Sale in any manner and if found shall not be disbursed for Sale and also any prize declared on the aforementioned tickets cannot be claimed by any individual.

Sd/-
(ZHOTHISA DAWHUO)
Director,
Nagaland State Lotteries, Kohima.

Date : 22.08.2022

Health & Family Welfare Department
Government of Sikkim
Gangtok – 737 103

No.: 827/NCD/H&FW Date: 22.08.2022

NOTICE INVITING PROPOSALS TO RUN 24X7 CRISIS CENTER

Sealed proposal is invited from reputed NGO's/ Voluntary organizations from Sikkim, registered at NITI Aayog Portal and having experience of atleast 3 years in health sector to run Crisis center cum 24x7 HELPLINE at Gangtok for a duration of 5 months.

Details regarding terms and conditions can be collected from NCD cell, health Department, Tashiling Secretariat or can be downloaded from the National Health Mission (NHM) website (www.nrhmsikkim.org). Proposals along with the supporting documents must reach the undersigned by 19/09/22.

Proposals received after the due date and time will not be considered. The shortlisted NGOs will be asked to make presentation for the selection committee on date which will be communicated.

The Health &Family Welfare Department reserves the right to reject any proposal without assigning any reason whatsoever.

NOTE: in accordance to the Office memorandum of NITI Aayog, NGOs are to be registered with NITI Aayog Portal (NGO-DARPAN) and should have unique identifiers before submitting their applications.

Dr. M.M. Dhakal
Joint Director & SPO
(Mental Heath)
Health & Family Welfare

R.O. No. 123/IPR/PUB/Classi/2223
DT.: 23.08.2022

आतंकियों के इरादे

रूसी खुफिया एजेंसी एफएसबी द्वारा भारत में फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे आतंकवादी को पकड़े जाने की खबर वाकई गंभीर है। आईएस का प्रशिक्षण प्राप्त यह आतंकी रूस से भारत आने की फिराक में था। उसका मकसद यहां सत्ता प्रतिष्ठान से जुड़े एक नेता को निशाना बनाकर पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ दिए गए बयान का बदला लेना था। गौरतलब है कि इसी जून में एक टीवी कार्यक्रम के दौरान बीजेपी की तत्कालीन प्रवक्ता नूपुर शर्मा के दिए एक बयान पर विवाद ने अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया था। तब बीजेपी ने न केवल इस बयान से खुद को दूर कर लिया बल्कि इससे जुड़े दोनों प्रवक्ताओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की थी। उसके बाद माहौल शांत होता गया और धीरे-धीरे बयान से उपजे विवाद को लगभग समाप्त मान लिया गया। मगर रूस में हुई ताजा गिरफ्तारी ने इसे एक बार फिर जिंदा कर दिया है।

जिस तरह से कुछ ही दिन पहले मशहूर लेखक सलमान रुश्दी पर उनके उपन्यास सैटनिक वर्सेज के लिए फतवा जारी होने के करीब डेढ़ दशक बाद अमेरिका में जानलेवा हमला हुआ, उसके मद्देनजर रूस में हुई गिरफ्तारी से खुली इस साजिश पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है। कथित आतंकी से हुई पूछताछ के हवाले से बताया गया है कि हमले के लिए आवश्यक सभी जरूरी सामान उसे भारत पहुंचने के बाद ही मुहैया कराए जाने थे। स्वाभाविक ही इस सूचना ने भारतीय खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा तंत्र को सतर्क कर दिया है। उस संदिग्ध नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश शुरू हो गई है, जिसके जरिए आतंकी हमले के लिए आवश्यक लॉजिस्टिक सपोर्ट पहुंचाने की तैयारी की जा रही थी।

माना जा रहा है कि आईएस खुरासान और अन्य अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों की नूपुर शर्मा के विवादित बयान की आड़ में स्थानीय आतंकी तत्वों के सहयोग से इस बड़ी वारदात को अंजाम देने और इस तरह भारत को एक बार फिर ग्लोबल टेरर के मैप पर लाने की तैयारी थी। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि भारतीय खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? नूपुर शर्मा के बयान का कथित तौर पर समर्थन करने वाले कुछ लोगों को निशाना बनाया गया था। उनमें से एक मामले में जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, उनके संबंध पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन से होने की बात शुरुआती जांच में कही गई थी।

जाहिर तौर पर ऐसे तत्व देश में शांति भंग करना चाहते हैं। इन तत्वों को रोकने की जिम्मेदारी खुफिया एजेंसियों और पुलिस की बनती है। इसके साथ इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि नेताओं की ओर से ऐसी बयानबाजी ना हो, जिससे गलत तत्वों को उसके बहाने से देश का माहौल बिगाड़ने का मौका मिले। अफसोस कि नूपुर शर्मा के बयान के बाद भी ऐसी बयानबाजी रुकी नहीं है।

संपादकीय पृष्ठ

आखिर, समाधान क्या है?

मोहम्मद शहजाद

केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय का हाल में चौंकाने वाला खुलासा किया है। इसके अनुसार देश की 80 प्रतिशत आबादी जहरीला पानी पी रही है।

मंत्रालय के जरिए राज्य सभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 29 राज्यों के 491 जिलों के ग्राउंड वॉटर में आयरन और 25 राज्यों के 209 जिलों में आर्सेनिक की मात्रा तय मानक से अधिक है। 18 राज्यों के 162 जिलों के भूजल में यूरेनियम, 16 राज्यों के 62 जिलों में क्रोमियम और 11 राज्यों के 29 जिलों में कैडमियम की मात्रा तय मानक से ज्यादा पाई गई है।

आंकड़ों के मुताबिक, 671 इलाके फ्लोराइड, 814 इलाके आर्सेनिक, 14079 क्षेत्र आयरन, 517 क्षेत्र नाइट्रेट और 111 क्षेत्र भारी धातु से दूषित हैं। पानी में इन धातुओं के तय मानक से ज्यादा मात्रा में पाए जाने का मतलब है कि ये पानी को जहरीला कर रही हैं। इससे पेट दर्द और उल्टी दस्त से लेकर चर्म रोग, गुर्दे, लीवर, हड्डी और नर्वस सिस्टम से संबंधित बीमारियां, ट्यूमर, अल्जाइमर और कैंसर जैसी गंभीर बीमरियां तक हो सकती हैं।

चौंकिए मत! क्योंकि यह किसी और की करतूत का नतीजा नहीं है। यह सब-कुछ हमारा-आपका किया-धरा है। जल ही जीवन है-इस सुविचार को हम बचपन से सुनते आए हैं, लेकिन क्या कभी इस ओर हमने ध्यान दिया। नहीं ना! बस केवल उसका दोहन करते रहे। तभी तो नौबत आज यहां तक आ पहुंची है। जलवायु परिवर्तन के नतीजे अभी तक तो प्रदूषण इत्यादि के रूप में हमारी धरा पर ऊपर-ऊपर ही नजर आते थे लेकिन अब इनका प्रभाव धरती की गहराई में मौजूद ग्राउंड वाटर तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि भारत की आधी से ज्यादा आबादी गांवों में रहती है।

अमूमन माना जाता है कि गांव के लोगों को सबसे शुद्ध हवा-पानी मयस्सर है। जल शक्ति मंत्रालय के ताजा आंकड़े इस धारणा को भी झुठलाते प्रतीत होते हैं। इसके अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर तो और भी भयावह है क्योंकि इन इलाकों में पीने के पानी का मुख्य स्रेत यही भूजल है। यहां के लोग सीधे हैंडपंप, कुआं, बोरवेल और नदी-तालाब से पानी लेकर पी रहे हैं, जिन्हें शुद्ध करने का कोई माध्यम नहीं है। इसलिए ग्रामीण जहरीले पानी को गटकने के लिए विवश हैं। इसके बरक्स कुछ हद तक शहरों में भूजल सीधे पीने के लिए सप्लाई नहीं होता। उन्हें जल संयत्रों द्वारा संशोधित करके पीने का पानी घरों में सप्लाई किया जाता है। कुछ घरों में लोग निजी वॉटर प्यूरिफॉयर और आरओ लगवाकर दूषित पानी से अपनी सुरक्षा करते हैं। धनाढ्य लोगों के नसीब में बोतलबंद पानी भी है। यह खुशनसीबी चंद लोगों के भाग्य में ही है क्योंकि अधिकतर लोग आरओ और बोतलबंद पानी का खर्च वहन नहीं कर सकते हैं।

शहरों में औद्योगिक गतिविधियां अधिक होने से यहां ग्राउंड वॉटर में इन जहरीली धातुओं की मात्रा ग्रामीण क्षेत्रों से भी ज्यादा पाई जाती है। ऐसे में यहां के लोग खराब क्वालिटी के प्यूरिफायर प्लांट से शोधित पानी को सस्ती दरों में लेकर पीने को मजबूर हैं। अभी तो कम से कम यह जहरीला पानी हलक तर करने के लिए मिल भी जा रहा है। भविष्य में पता नहीं यह भी नसीब होगा या नहीं क्योंकि इस साल देश-दुनिया में पड़ी भीषण गर्मी का असर पूरे देश के भूजल स्तर पर पड़ा। इस दौरान देश के ज्यादातर हिस्सों में भूजल स्तर काफी नीचे चला गया। इससे साफ है कि जल बचाएं, भविष्य बचाएं जैसी बातों को भी हमने जीवन का ध्येय वाक्य बनाने की बजाय केवल नारे के रूप में ही लिया।

अजीब बात है कि हमारी सिंधु घाटी की प्राचीन सभ्यता विशेषकर धोलावीरा से जल संरक्षण और प्रबंधन के बेहतरीन प्रमाण मिलते हैं, लेकिन हमारी आज की आधुनिक सभ्यता के लोग इससे बेपरवाह नजर आते हैं। बरसों से वष्रा जल संचयन की बातें हो रही हैं, लेकिन जमीनी सतह पर इसका कोई असर नजर नहीं आता। कहने को तो जल संसाधन मंत्रालय हमेशा से केंद्र सरकार के अधीन रहा है। उसमें नदी विकास और गंगा संरक्षण भी जुड़ गया है। अब तो विधिवत अलग जल शक्ति मंत्रालय है। राज्यों के भी इसके लिए अलग मंत्रालय और विभाग हैं। केंद्र की परियोजनाओं एवं यूनिसेफ के वॉटर, सैनिटेशन एंड हाईजीन (वॉश) कार्यक्रम के तहत हजारों एनजीओ काम कर रहे हैं, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन-पात है।

केंद्र सरकार ने अगस्त, 2019 में जल जीवन मिशन लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य 2024 तक देश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक पीने का पानी टेंटी के जरिए पहुंचाना है।

देश के 19.15 करोड़ ग्रामीण घरों में से 9.81 करोड़ घरों तक टैप वॉटर सप्लाई हो चुकी है यानी लगभग आधे लक्ष्य की प्राप्ति हो चुकी है। इसके अतिरिक्त अक्टूबर, 2021 में अमृत 2.0 स्कीम भी शुरू की गई है। इसके जरिए अगले पांच बरसों में सभी शहरों को टैप वॉटर सप्लाई करने का लक्ष्य है। नि:संदेह ये आंकड़े सुकून देने वाले हैं, लेकिन असल सवाल अब भी वही है कि इस पानी को सप्लाई करने वाले स्रेत-भूजल-के संरक्षण के लिए क्या किया जा रहा है?

आर्थिक विकास की दकार

शालू अग्रवाल

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिजली क्षेत्र की प्रगति को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण मुद्दे की तरफ देश का ध्यान खींचा है। आर्थिक विकास में बिजली क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, उन्होंने राज्य सरकारों से बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का बकाया भुगतान करने की अपील की है। डिस्कॉम का नुकसान और बकाया-एक गंभीर समस्या है। पॉवर फाइनेंस कॉरपोरेशन की 2019-20 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 29 में डिस्कॉम घाटे में चल रही हैं।

2019-20 तक, डिस्कॉम का कुल घाटा पांच लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, और उनकी उधारी वर्ष 2010-20 की तुलना में ढाई गुना बढ़ गई। कोरोना महामारी के दौरान डिस्कॉम के नुकसान और कर्ज में और बढ़ोतरी हो गई है। डिस्कॉम के संकट का एक प्रमुख कारण दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है, जिसमें सरकारी विभागों और राज्य सरकारों से लंबित भुगतान/ सब्सिडी की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत, और निजी उपभोक्ताओं (मुख्य रूप से घरेलू कनेक्शन) का बकाया 30 प्रतिशत है।

इसे हल करने के लिए राज्यों और डिस्कॉम को इन तीन प्रमुख उपायों पर केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए। पहला, छह राज्यों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जिन पर डिस्कॉम के लंबित भुगतान का तीन-चौथाई हिस्सा बकाया है। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। सरकारी विभागों से डिस्कॉम के बकाये का निपटान करने के लिए, संबंधित राज्य अपने बजटीय आवंटन में से चरणबद्ध रूप से अग्रिम कटौती करने के बारे में विचार कर सकते हैं।

दूसरा, राज्यों को अपने सीमित वित्तीय संसाधनों के कुशल उपयोग और बिजली को जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करने की संस्कृति बनाने के लिए बिजली पर दी जाने वाली सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने और लक्षित करने की दिशा में काम करना चाहिए। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट ऐंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के अध्ययन के अनुसार, सात राज्यों को छोड़कर, 2016-20 के दौरान अधिकांश राज्यों में बिजली दर (टैरिफ) में सब्सिडी पर निर्भरता में बढ़ोतरी हुई है।

मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब और कर्नाटक उन शीर्ष राज्यों में शामिल हैं, जहां डिस्कॉम अपने कुल राजस्व के 30 प्रतिशत या उससे ज्यादा हिस्से के लिए टैरिफ सब्सिडी पर निर्भर हैं। बिजली पर सब्सिडी में बढ़ोतरी, राज्यों की पहले से तंग चल रही वित्तीय स्थिति और ज्यादा बिगाड़ रही है। इसलिए, राज्यों को केवल कमजोर और योग्य उपभोक्ताओं को ही सब्सिडी देनी चाहिए। इसके अलावा, राज्यों को पीएम-कुसुम योजना के तहत किसानों के बीच सोलर पंप जैसे सिंचाई के साधनों को बढ़ावा देना चाहिए।

तीसरा, डिस्कॉम को हाल ही में शुरू की गई रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर (आरडीएस) योजना के तहत उपलब्ध विभिन्न वित्तीय और तकनीकी मदद का पूरी सक्रियता के साथ लाभ उठाना चाहिए। तीन लाख करोड़ रुपये की इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2025 तक डिस्कॉम को अपना घाटा 12-15 प्रतिशत तक घटाने में मदद करना है। इस लक्ष्य को पाने के लिए डिस्कॉम को अपने सभी बिजली कनेक्शन के साथ स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने की जरूरत है।

भारत, पहले ही कई तरीकों से ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के मामले में अपने नेतृत्व को दुनिया के सामने प्रदर्शित कर चुका है। इसमें रिकॉर्ड समय में गांवों और घरों का विद्युतीकरण, और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अक्षय ऊर्जा उत्पादक बनने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। अब हमारे पास और भी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हैं। अब हम 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा की उत्पादन क्षमता स्थापित करना, और 2070 तक नेट-जीरो (कार्बन न्यूट्रल) अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। इन लक्ष्यों को पाने के लिए, राज्यों को निश्चित तौर पर केंद्र के साथ मिलकर बिजली क्षेत्र को स्वस्थ व मुश्किलों को सहने में सक्षम बनाना होगा।

टूटी नहर से मायूस किसान

हरीश कुमार

हम सब इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। जहां लगभग 60 से 70 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का एक बड़ा हिस्सा है। लेकिन उन्नत कृषि के लिए सबसे जरूरी पानी है, जिसकी कमी से कृषि क्षेत्र को सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। यही कारण है कि आजादी के बाद की सभी सरकारों ने इस ओर गंभीरता से ध्यान दिया है। हर खेत तक पानी पहुंचाने के लिए नहरें बनवाई गईं और जहां पहले से निर्मित थीं, उनका पुनरुद्धार किया गया।

लेकिन बढ़ते औद्योगिकीकरण के कारण पिछले कुछ दशकों में सरकार का ध्यान इस क्षेत्र पर से पहले की अपेक्षा कम होता जा रहा है, जिसके कारण कृषि क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। राज्य और जिला स्तर पर कृषि विभाग की उदासीनता के कारण नहरों के विकास जैसी अहम परियोजना बर्बादी का शिकार होती जा रही हैं। जिसका खामियाजा कृषि और किसानों को हो रहा है। देश के ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां नहरों का उचित रखरखाव नहीं होने के कारण वे सूख चुके हैं और उससे किसानों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है।

जम्मू संभाग के सीमावर्ती जिला पुंछ स्थित झूलास गांव भी इसका एक उदाहरण है। पुंछ मुख्यालय से लगभग नौ किलोमीटर की दूरी पर बसे इस गांव की आबादी लगभग पांच हजार से अधिक है, जहां अधिकतर लोग खेती-किसानी पर निर्भर हैं। यहां की सबसे बड़ी समस्या गर्मियों के दौरान पानी की कमी के कारण खेतों का सूख जाना है। हालांकि इन किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए विभाग ने करीब से बहने वाली पुलस्त नदी से नहर को जोड़ा है, परंतु जो नहर इस जमीन तक पानी पहुंचाती है, वह जगह-जगह से टूट चुकी है।

झूलास गांव के चौकीदार मुंशी राम का कहना है कि यह जमीन, जिसमें पानी की कमी के कारण धान जैसी अहम फसल नहीं हो पाती है, दस से पंद्रह हजार कनाल है। इन खेतों में नहर के माध्यम से ही सिंचाई संभव थी, जिससे किसान धान और अन्य फसलें उगा पाते थे। लेकिन पिछले आठ सालों से नहर की मरम्मत नहीं होने के कारण इसमें पानी नहीं आ रहा है, जिससे किसानों ने धान उगाना बंद कर दिया है। वहीं कुछ किसानों ने पूरी तरह से खेती बंद ही कर दी है।

उन्होंने बताया कि जमीन खाली देख कुछ लोगों ने खेतों पर अवैध कब्जा करके घर बनाना शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा चलाए गए 'बैक टू विलेज' प्रोग्राम के लिए आए अधिकारियों के समक्ष भी इस समस्या को रखा गया, लेकिन अभी तक इसका कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला है। गांव के एक किसान दीन मुहम्मद का कहना है कि जब नहर से पानी आता था, तो किसान धान की बुवाई किया करते थे, जिससे उन्हें अच्छी आमदनी होती थी, लेकिन अब पानी की कमी के बाद मक्का जैसी सूखी फसलें बोई जाती हैं, जिसमें बहुत अधिक लाभ नहीं मिलता है।

एक अन्य किसान रोशन लाल के अनुसार, नहर से न केवल फसलों की अच्छी सिंचाई हो जाती थी, बल्कि गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध हो जाता था, लेकिन इसमें जगह-जगह दरारें आ चुकी हैं, जिससे पानी ठहर नहीं पाता है। स्थानीय नागरिक केतन बाली के अनुसार, यह नहर काफी पुरानी है, जिससे किसानों को धान की फसल के लिए सिंचाई में फायदा हुआ करता था। पिछले कई सालों से इसकी मरम्मत नहीं होने के कारण यह लगभग जर्जर हो चुकी है।

गांव के सरपंच परसा राम भी इस नहर को किसानों के साथ-साथ ग्रामीण जन-जीवन के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। बारिश का मौसम अपने चरम पर है, खेत-खलिहानों को भरपूर पानी उपलब्ध हो चुका है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस बार भी मरम्मत की योजना कागजों तक सीमित रहेगी या धरातल पर बदलाव नजर आएगा? क्या झूलास गांव के किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा या फिर पिछले आठ सालों की तरह इस बार भी उनकी उम्मीदों पर पानी फिर जाएगा?

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR TORSA MORNING

WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:91 DrawDate on:24/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 51C 09348

(Excluding Agent Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 09348 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

08286 09918 14576 32516 53627 54441 62577 75039 87485 96907

3rd Prize ₹450/-

8742 1634 1944 2706 5020 5149 6024 7255 8574 9030

4th Prize ₹250/-

0218 2379 3907 5065 6105 6869 7179 7682 8281 8586

5th Prize ₹120/-

0100 0103 0662 0668 0765 0983 1154 1357 1386 1421
1480 1512 1656 1729 1748 1893 2234 2502 2525 2527
2628 2735 2099 2970 2974 3002 3055 3131 3149 3216
3252 3409 3628 4162 4219 4294 4311 4394 4443 4492
4532 4637 4690 4821 4847 4945 4948 5009 5033 5055
5174 5304 5433 5659 5749 5773 5035 5875 5937 6153
6209 6259 6320 6472 6513 6621 6677 6696 6806 6897
6908 7086 7096 7102 7304 7361 7428 7545 7589 7590
7772 7937 8110 8138 8235 8269 8764 8768 8770 8877
9057 9066 9076 9118 9179 9270 9674 9944 9959 9968

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MERCURY WEDNESDAY

WEEKLY LOTTERY

Draw No:91 DrawDate on:24/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 93G 24224

(Excluding Agent Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 24224 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

00702 08214 10267 38756 30729 40124 61429 68980 70718 73838

3rd Prize ₹450/-

1023 4099 5027 5557 6207 6859 7894 7897 9110 9368

4th Prize ₹250/-

1672 1987 2197 3639 3691 5114 7429 7999 9138 9519

5th Prize ₹120/-

0233 0279 0293 0388 0429 0501 0504 0575 0593 0666
0668 0953 1113 1150 1398 1620 1762 1830 1865 1896
1909 1955 2057 2277 2390 2459 2521 2665 2693 2734
3025 3139 3227 3516 3536 3758 3862 3920 4117 4338
4407 4683 4738 4805 4837 4853 5136 5207 5227 5322
5356 5408 5425 5477 5485 5583 5653 5755 5841 6169
6494 6599 6802 6903 6964 7036 7131 7165 7190 7358
7448 7663 7705 7737 7815 7875 7907 7991 8063 8365
8366 8396 8543 8591 8660 8824 8856 8912 8940 8962
9265 9560 9581 9771 9793 9827 9943 9960 9972 9981

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR EAGLE EVENING

WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:191 DrawDate on:24/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 60E 97491

(Excluding Agent Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 97491 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

19659 22072 44572 52344 73498 77785 61908 94246 95508 99596

3rd Prize ₹450/-

0918 0956 1572 3324 5771 6386 6723 6848 8347 8362

4th Prize ₹250/-

0304 1518 3309 3450 5173 6210 7518 7526 7863 9655

5th Prize ₹120/-

0002 0242 0381 0408 0653 0897 0925 1086 1201 1622
1626 1751 1908 2139 2144 2426 2467 2500 2711 2958
3030 3165 3178 3259 3356 3360 3485 3139 3825 3553
3880 4047 4135 4152 4260 4414 4530 4571 4615 4659
4675 4680 4705 4826 4987 5317 5366 5401 5469 5517
5531 5603 5607 5622 5683 5690 5053 5884 5976 6392
6566 6636 6892 6939 6959 7043 7118 7142 7165 7245
7262 7311 7416 7353 7593 7726 7731 7873 7912 7962
8011 8032 8055 8177 8562 8672 8786 8923 9011 9099
9103 9187 9213 9381 9635 9722 9909 9921 9936 9949

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

सपा आपराधिक तत्वों की संरक्षण पार्टी : मायावती

लखनऊ, 24 अगस्त (एजेन्सी)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की आजमगढ़ जेल में बंद सपा विधायक रमाकान्त यादव से मुलाकात के बाद बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती पर निशाना साधा कहा कि सपा आपराधिक तत्वों की संरक्षक पार्टी है।

बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट कर कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रमुख द्वारा आजमगढ़ जेल जाकर वहां कैद पार्टी के बाहुबली विधायक रमाकान्त यादव से मिलकर उनसे सहानुभूति व्यक्त करने पर हर तरफ से तीखी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है, जो इस आम धारणा को भी प्रबल करता है कि सपा इन्हीं प्रकार के आपराधिक तत्वों की संरक्षक पार्टी है।

उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न संगठनों व आम लोगों द्वारा भी सपा प्रमुख से यह सवाल पूछना क्या अनुचित है कि वे मुस्लिम नेताओं से मिलने जेल क्यों नहीं जाते हैं, जबकि उनका ही आरोप है कि यूपी बीजेपी सरकार में सपा नेताओं को फर्जी मुकदमों में फंसाकर जेल में कैद रखा जा रहा है।

गौरतलब है कि लोकसभा उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद पहली बार सपा प्रमुख अखिलेश यादव आजमगढ़ पहुंचे थे और यहां उन्होंने इटौरा जेल में बंद सपा मुखिया से बाहुबली विधायक रमाकांत यादव से मुलाकात की थी। इतना ही नहीं जेल से निकलने के बाद अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना भी साधा था। कहा था कि भाजपा सरकार विपक्षियों को परेशान करने का काम कर रही है। फर्जी मुकदमों में नेताओं को जेल भेजा जा रहा है।

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उतरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉर्ट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

बांग्लादेश में बिजली बचाने के लिए स्कूलों की छुट्टियां बढ़ी, सरकारी कार्यालय और बैंकों में भी दी गई छूट

ढाका। बांग्लादेश में बिजली उपभोग को कम करने के लिए विद्यालियों की साप्ताहिक छुट्टी को एक और दिन बढ़ाकर दो दिन कर दिया गया है, जबकि सरकारी कार्यालयों और बैंकों के कामकाजी समय में एक घंटे की कटौती की गई है। यूक्रेन युद्ध के असर से ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच बांग्लादेश ने ये कदम उठाए हैं। कामकाज के घंटों में कटौती बुधवार से प्रभावी हो जाएगी। कैबिनेट सचिव खांडकर अनवारुल इस्लाम ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश में अधिकांश स्कूल शुक्रवार को बंद रहते हैं, लेकिन अब शनिवार को भी बंद रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालय और बैंक अपने प्रतिदिन के कामकाज की अवधि को पहले आठ घंटों से घटाकर सात घंटे कर देंगे, लेकिन निजी कार्यालयों को अपना कार्यक्रम निर्धारित करने की अनुमति होगी। यूक्रेन युद्ध के चलते आपूर्ति में व्यवधान के कारण ईंधन और भोजन की कीमतें दुनियाभर में बढ़ गई हैं। बांग्लादेश अपने गिरते विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के लिए हाल के हफ्तों में उपाय कर रहा है। पिछले महीने ईंधन की कीमतों में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि की गई थी। सरकार का कहना है कि वह एक विशेष व्यवस्था के तहत रूस से सस्ता ईंधन प्राप्त करने के विकल्प तलाश रही है। इस फैसले की आलोचना हुई है, लेकिन सरकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच घाटा कम करना आवश्यक है। हाल के हफ्तों में ऊंची कीमतों के खिलाफ छोटे-मोटे विरोध प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन सरकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में नरमी आने के बाद घरेलू कीमतों को समायोजित किया जाएगा।

जेल में वार्डन महिला कैदियों को निर्वस्त्र कर लेता था तस्वीरें, करता था यौन शोषण

वाशिंगटन । कैलिफोर्निया में महिला कारागार के वॉर्डन रह चुके रे गार्सिया पर दो अन्य महिला कैदियों के यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं। उस पर पहले ही कैदियों के यौन उत्पीड़न और उन्हें जबरदस्ती निर्वस्त्र करने के आरोप हैं। 55 साल का रे गार्सिया कैलिफोर्निया के डबलिन में संघीय सुधार संस्थान में वार्डन था। यहां सालों से कैदियों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने का खुलासा हुआ। यहां महिलाओं की इकाई को तो रे क्लब तक बुलाया जाने लगा था।
न्याय विभाग ने गार्सिया के खिलाफ कुल सात लोगों के साथ यौन दुराचार करने का आरोप लगाया। इनमें डबलिन के संघीय कारागार में सजा काट रहीं तीन महिला कैदी भी शामिल रहीं। इसके अलावा, उस पर सरकारी अधिकारियों को झूठे बयान देने के भी आरोप लगे हैं। गार्सिया को पिछले साल सितंबर में गिरफ्तार किया गया था, जब उसने एक महिला कैदी के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। इतना ही नहीं, उसने एक अन्य कैदी को निर्वस्त्र कर उसे पोज देने के लिए कहा था जिसकी उसने तस्वीरें भी लीं। पिछले साल जब एफबीआई के अधिकारियों ने उसके दफ्तर में छापेमारी की, तो उन्हें गार्सिया के लैपटॉप, कम्प्यूटर और फोन में बिना कपड़ों में कैदियों की पोज वाली तस?वीरें मिलीं। न्याय विभाग ने कहा, दिसंबर 2019 से लेकर मार्च 2020 तक कैदियों के साथ अत्याचारों का सिलसिला जारी रहा और इस पर तब रोक लगी जब देश में कोरोना के दस्तक देने के बाद महिलाओं को उनके सेल में लॉक कर दिया गया। गार्सिया ने सुनवाई के दौरान अपनी सफाई में कहा, कैदियों को कपड़े बदलते वक्त मैंने देखा है। हालांकि, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं टाइम देखता रहता था कि अब वे कपड़े बदलेंगी और अब मुझे जाना चाहिए उन्हें निर्वस्त्र देखने के लिए। सरकारी पक्ष के वकील ने कहा, गार्सिया गिरफ्तार होने के एक महीने बाद रिटायर हुआ है। वह एक कैदी को यह कहकर भी डराया करता था कि वह यहां कैदियों के गलत रवैये की जांच करने वाले एक अधिकारी का करीबी दोस्त है और उसे यहां से निकाल पाना किसी भी कैदी के बस में नहीं है। गार्सिया पर एक और आरोप है कि उसने मार्च 2020 और जुलाई 2021 के बीच दो अन्य महिला कैदियों का यौन शोषण किया। एक के साथ जेल के बाथरूम में और दूसरे के साथ गोदाम में गलत आचरण किया। जब जांच अधिकारियों ने उससे पूछताछ की थी कि क्या उसने कभी किसी महिला कैदी के साथ अभद्र व्यवहार किया तो गार्सिया ने न कहा था। गार्सिया के अलावा, जेल के चार अन्य कर्मचारियों के खिलाफ भी कैदियों के साथ यौन दुराचार करने के आरोप लगे हैं। इनमें से एक को अगले हफ्ते से जेल की सजा काटनी होगी।

बाइडन के आदेश पर अमेरिकी सेना ने सीरिया में ईरानी सेना के ठिकाने तबाह किए

बेरूत । अमेरिका के राष?ट्रपति जो बाइडन के आदेश पर अमेरिकी सेना ने पूर्वी सीरिया में ईरान के अर्द्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड समर्थित मिलिशिया की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले क्षेत्रों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। सेना ने बुधवार तड़के यह जानकारी दी। सीरिया की सरकारी मीडिया और ईरान ने दीर एज़-जोर को निशाना बनाने वाले हमलों की तत्काल कोई पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी सेना के मध्य कमान के अनुसार हमले लक्षित थे, जिसका मकसद जोखिम तथा जानमाल के नुकसान को कम करना था। हालांकि, अमेरिकी सेना ने निशाना बनाए गए क्षेत्रों की पहचान नहीं की और न ही हमलों से जानमाल के नुकसान की कोई जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के आदेश पर ये हवाई हमले किए गए। मध्य कमान के प्रवक्ता कर्नल जो बुकिनो ने एक बयान में कहा ?कि आज के हमले अमेरिकी कर्मियों की सुरक्षा के लिए जरूरी थे। कर्नल बुकिनो ने बताया कि यह हमला 15 अगस्त को अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर किए गए हमले के जवाब में किया गया। गौरतलब है कि 15 अगस्त को हुए हमले में ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा कथित तौर पर भेजे गए ड्रोन ने अमेरिकी बलों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अल-तंफ सैन्य अड्डे को निशाना बनाया था। दीर एज़-जोर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण प्रांत है, जिसकी सीमा इराक से लगती है। यहां तेल के कई स्रोत हैं।

न्यूयॉर्क में प्राइमरी चुनाव में जेरी नाडलर ने कैरोलिन मैलोनी को हराया

न्यूयॉर्क । अमेरिका के न्यूयॉर्क में हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जेरी नाडलर ने कैरोलिन मैलोनी का मात दी। नाडलर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने की कवायद का दो बार नेतृत्व कर चुके हैं। अदालत ने इन दोनों अमेरिकी प्रतिनिधियों को न्यूयॉर्क शहर कांग्रेस जिले से चुनाव लड़ने का निर्देश दिया था। चुनावी जिलों की सीमाओं में बदलाव की प्रक्रिया में मैनहट्टन के पश्चिम में नाडलर (75) के गढ़ को पूर्व में मैलोनी (76) के क्षेत्र से जोड़ दिया गया था, जिसके बाद दोनों कहीं और से चुनाव लड़ने को तैयार नहीं थे। नाडलर की जीत के साथ ही कांग्रेस में मैलोनी का 30 साल का सफर समाप्त हुआ। उन्होंने वकील एवं न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के व्याख्याता सूरज पटेल (38) को भी मात दी। पटेल की डेमोक्रेटिक कांग्रेस के प्राइमरी चुनाव में यह लगातार तीसरी हार है। नाडलर पहली बार 1992 में कांग्रेस के लिए चुने गए थे। हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग का नेतृत्व किया था।

चार महीने बाद दिखाई दी सूरज की रोशनी

अंटार्कटिका। अगस्त के शुरुआती महीने में कॉनकोर्डिया रिसर्च स्टेशन के 12 सदस्यों वाले क्रू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब उन्होंने चार महीने बाद सूरज की रोशनी देखी। आखिरकार अंटार्कटिका में चार महीने बाद सर्दियां खत्म हुईं और मौसम बदला। सूरज का निकलना वैज्ञानिकों के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इस साल मई में यहां सूरज अस्त हुआ था और इसके दोबारा उगने का वैज्ञानिक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अंटार्कटिका एकदम दक्षिण में है और यहां पर सूरज का निकला एक बड़ी घटना माना जाता है। यूरोपियन स्पेस एजेंसी की तरफ से एक ब्लॉग लिखकर और फोटोग्राफ शेयर कर इसकी जानकारी दी गई है। अंतरिक्ष एजेंसी की तरफ से भेजे गए डॉक्टर हेंस हैगसन ने स्टेशन के मेन डोर से इस खूबसूरत नजारे की फोटोग्राफ शेयर की है। 5 अगस्त को यहां पर सूरज निकला था और हैगसन ने तभी फोटोग्राफ क्लिक की। उन्होंने लिखा, 'यहां पर समय बड़ा अजीब है और ये तेजी से गुजरता है और इसी समय वो काफी धीमा भी हो जाता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'सिर्फ दो दिनों के अंदर हम उम्मीद कर रहे थे कि दक्षिण में सूरज निकलने वाला है। सुबह की रोशनी की वापसी ने निश्चित तौर पर हमें मुस्कुराने की एक वजह दी है और अब इस एडवेंचर का आखिरी दौर शुरू होने वाला है।' अंटार्कटिका में सर्दियां बहुत ही सख्त होती हैं और तापमान-80 डिग्री से भी नीचे चला जाता है। रोशनी बिल्कुल नहीं होती है और एकदम अंधेरा किसी को भी दहशत में लाने के लिए काफी है। सर्दियों में खुद को बिजी रखने के लिए क्रू को काफी मेहन त करनी पड़ती है। जून में मिड विंटर नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन होता है तो जुलाई में विंटर गेम्स होते हैं। अंटार्कटिका में जितने भी स्टेशंस हैं उसके क्रू कई गेम्स और फेंडली कॉम्पटीशंस में हिस्सा लेते हैं। अगस्त में सूरज का निकलना कई मायनों में खास है। अब यहां पर वैज्ञानिक कई तरह की रिसर्च कर सकते हैं।

ब्राजील में राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो पुर्तगाल के राजा डोम पेड्रो के अवशेषों के लाये जाने के समारोह का स्वागत करते हुए।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के प्रति दिखाई एकजुटता, सूरजमुखी के फूलों से सजाया कार्यालय

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए वहां के राष्ट्रीय पुष्प सूरजमुखी से मंगलवार को अपने डाउनिंग स्ट्रीट कार्यालय के द्वार को सजाया। यूक्रेन का स्वतंत्रता दिवस बुधवार को है और इसके उपलक्ष्य में जॉनसन ने पूर्वी यूरोप के इस देश के साथ एकजुटता दिखाने का निर्णय लिया। इसके साथ ही यूक्रेन पर रूस के हमले के छह महीने पूरे हो रहे हैं जो 24 फरवरी को शुरू हुआ था। जॉनसन ने क्रीमिया प्रायद्वीप पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, ''हम क्रीमिया या यूक्रेन के किसी अन्य क्षेत्र पर रूस के कब्जे को कभी मान्यता नहीं देंगे।'' गौरतलब है कि रूस ने 2014 में क्रीमिया पर आक्रमण कर उसे अपने कब्जे में ले लिया था। प्रधानमंत्री ने कहा, ''(रूस के राष्ट्रपति) व्लादिमीर पुतिन के हमले के मद्देनजर हम अपने मित्र राष्ट्र यूक्रेन को सभी प्रकार की सैन्य, मानवीय, आर्थिक और कूटनीतिक सहायता देना जारी रखेंगे।'' युद्ध शुरू होने के समय से ही जॉनसन यूक्रेन को सहायता देने के पक्षधर रहे हैं। वह अगले महीने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले हैं।

भारत में चीनी आकाओं के इशारे पर चल रहे लोन गैंग का पर्दाफाश

हांगकांग-चीन भेज रहे थे संवेदनशील जानकारियां

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में चीनी आकाओं के इशारे पर चल रहे इंस्टेंट लोन-कम-एक्सटॉर्शन गैंग का पर्दाफाश हुआ है। दिल्ल पुलिस ने दो महीने से अधिक समय तक चले एक ऑपरेशन में इस रैकेट का भंडाफोड़ कर देश के विभिन्न हिस्सों से 22 लोगों को गिरफ्तार किया। इस गैंग के तार पड़ोसी देश चीन से जुड़े हैं और इसमें कई चीनी नागरिक भी शामिल हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह चीनी आआकाओं के इशारे पर संचालित होता था और जबरन वसूली का पैसा हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए चीन में भेजा जा रहा था। पुलिस के अनुसार, सैकड़ों शिकायतें दर्ज की गई थीं जिनमें आरोप लगाया गया था कि लोन उच्च ब्याज दरों पर दिए जा रहे थे और ब्याज सहित रकम की पूरी वसूली के बाद गिरोह लोगों से उनकी मॉर्फ्ड अश्लील तस्वीरों का उपयोग करके अधिक पैसे वसूल करता था।दिल्ली पुलिस के इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन (आईएफएसओ) यूनिट ने इन शिकायतों का संज्ञान लिया और जांच के दौरान पाया कि इस तरह के 100 से अधिक शिकातें प्राप्त हुई थीं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह

गिरोह ऐप यूजर्स से कई अनुचित परमिशन मांग रहा था। ऐप यूजर्स के कॉन्टैक्ट्स, चैट, मैसेजों और फोटो का एक्सेस मिलने के बाद, यह गिरोह चीन और हांगकांग स्थित अपने सर्वरों पर संवेदनशील जानकारियां अपलोड करता था। छोटी मात्रा में लोन प्रदान करने की आड़ में ऐप विकसित किए गए थे। अधिकारी ने कहा कि यूजर्स ऐसे ऐपों में से किसी एक को डाउनलोड करते, ऐप को अनुमति देते और लोन की राशि मिनटों में उनके खाते में जमा हो जाती।

इसके बाद लोन लेने वाले व्यक्ति को विभिन्न नंबरों से कॉल आने शुरू हो जाते जो नकली आईडी पर प्राप्त किए गए थे, जो यह धमकी देते हुए पैसे की उगाही करते थे कि अगर उन्होंने रुपये नहीं दिए तो उनकी मॉर्फ्ड अश्लील तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड कर दी जाएंगी। डीसीपी ने कहा कि सामाजिक बदनामी और कलंक के कारण यूजर्स उन्हें पैसों का भुगतान करते थे, जिसे बाद में हवाला के माध्यम से या क्रिप्टोकरेंसी खरीदने के बाद चीन भेज दिया जाता था। एक व्यक्ति जिसे 5,000 से 10,000 रुपए तक के छोटे लोन की सख्त जरूरत होती थी, उसे बदले में कई लाख रुपए देने के लिए मजबूर किया जाता था। पुलिस ने कहा कि इसके कारण कई लोग आत्महत्या भी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि गैंग ने कई खातों का इस्तेमाल किया और प्रत्येक खाते में प्रतिदिन 1 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त किए।

यूक्रेन में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रूसी बमबारी का डर

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस और इस पर रूसी हमले के छह महीने पूरे होने की पूर्व संध्या पर मंगलवार को यूक्रेन वासियों में मास्को के हमले का डर दिखा। इस बात को लेकर चिंता बढ़ गई है कि रूस विशिष्ट सरकारी और नागरिक लक्ष्यों को छुट्टी के दिन निशाना बना सकता है। अमेरिका के कदम से भी इन चिंताओं को बल मिला है। अमेरिका के कीव स्थित दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है कि इस बात की जानकारी है कि रूस आने वाले दिनों में यूक्रेन के असैन्य आधारभूत ढांचे और सरकारी सुविधाओं के खिलाफ हमले शुरू करने के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है।सप्ताहांत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को भावी खतरे का आभास हो गया था। इसके पहले उन्होंने अपने दैनिक संबोधन में कहा था कि ''हमें इस बात से अवगत होना चाहिए कि इस सप्ताह रूस कुछ विशेष रूप से खराब और कुछ विशेष रूप से क्रूर कार्रवाई करने की कोशिश कर सकता है।'' यह चेतावनी रूस के इस दावे के बाद आई है कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसी कार बम विस्फोट के लिए जिम्मेदार थी, जिसमें सप्ताहांत एक प्रमुख दक्षिणपंथी रूसी राजनीतिक विचारक की बेटी की मौत हो गई थी। हालांकि, यूक्रेन ने इस हमले में शामिल होने से इनकार किया था। इस हमले में एक राष्ट्रवादी रूसी टीवी चैनल की 29 वर्षीय विश्लेषक डारिया डुगिन की मौत हो गई थी। डारिया की एसयूवी में रिमोट से नियंत्रित विस्फोटक उपकरण के जरिये शनिवार की रात विस्फोट किया गया था। इस हमले के वक्त डारिया मॉस्को के बाहरी इलाके में गाड़ी चला रही थीं। दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन स्थित यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्या में व्यापक हमले का भय व्याप्त है। इस क्षेत्र में लगातार गोलाबारी और लड़ाई ने परमाणु युद्ध की आशंका पैदा कर दी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सोमवार देर रात परमाणु खतरे के बारे में चेतावनी दी, खासकर जब से रूस ने युद्ध की शुरुआत में अपने बड़े परमाणु शस्त्रागार की ओर इशारा किया। मौत और विनाश के बीच उम्मीद की एक किरण दिख रही है। गत फरवरी में सभी पेशेवर फुटबॉल मैच पर रोक लगा दी गई थी, लेकिन कीव में मंगलवार से एक नया लीग सीजन शुरू हो रहा है।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनी तो परमाणु युद्ध के लिए भी तैयार हैं: लिज ट्रस

- लिज ने कहा, ये कोई विकल्प नहीं होगा, बल्कि प्रधानमंत्री की ड्यूटी होगी

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में आगे चल रहीं लिज़ ट्रस ने अब बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर वह पीएम बनती हैं तो परमाणु युद्ध करने के लिए भी तैयार हैं। लिज़ ट्रस और ऋषि सुनक के बीच टक्कर है लेकिन सर्वे बताते हैं कि लिज प्रधानमंत्री बन सकती हैं। लिज ट्रस ने बर्मिंघम में एनईसी हस्टिंग्स इवेंट में कहा कि अगर जरूरत पड़ती है तो वह न्यूक्लियर बम का बटन दबाने के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम के होस्ट जॉन पीनार ने उनसे परमाणु युद्ध से जुड़े फैसले को लेकर सवाल किया। पीनार ने खुद कहा कि अगर उन्हें ऐसा फैसला करना पड़ा तो वह शारीरिक रूप से बीमार महसूस करेंगे लेकिन लिज ट्रस ने इसके विपरीत बिना किसी इमोशन के कहा कि वह न्यूक्लियर हमले के आदेश देंगी। लिज ने कहा कि ये कोई विकल्प नहीं होगा, बल्कि प्रधानमंत्री की ड्यूटी होगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसा करने के लिए हमेशा तैयार रहूंगी। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ट्राइडेंट मिसाइल सिस्टम का लक्ष्य देश के लिए सबसे बड़े खतरे को रोकना है। लिज ट्रस का बयान एक ऐसे समय में आया है जब रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया है और अब पूरे यूरोप में डर बना हुआ है। व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ खड़े होने के अपने इरादों को भी लिज ट्रस साफ कर चुकी हैं। फरवरी में यूक्रेन पर हमले के बाद से ही ब्रिटेन के परमाणु बम हाई अलर्ट पर हैं। ऋषि सुनक ब्रिटेन के वित्त मंत्री रह चुके हैं, लेकिन अगर वह प्रधानमंत्री नहीं बनते तो क्या लिज ट्रस की सरकार में काम करेंगे? इसे लेकर उन्होंने संकेत दिया है कि वह लिज की सरकार में नहीं रहेंगे।

भारत ने चीन को आतंकवाद पर 'दोहरे मापदंड' अपनाने को लेकर आगाह किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

चीन पर प्रत्यक्ष तौर पर निशाना साधते हुए भारत ने आतंकवाद से लड़ने के मुद्दे पर किसी ''दोहरे मापदंड'' को लेकर आगाह किया और कहा कि यथास्थिति बदलने की कोशिश करने वाली कोई भी ''बलपूर्वक या एकतरफा'' कार्रवाई साझा सुरक्षा के सिद्धांत का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोमवार को 'संवाद एवं सहयोग के जरिये साझा सुरक्षा को बढ़ावा देने' के विषय पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी देशों को एक-दूसरे की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान करना चाहिए।

यूएनएससी की यह बैठक चीन की ओर से बुलाई गई थी, जो अगस्त के लिए सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है और 15 सदस्यीय परिषद में उसके पास वीटो का अधिकार है। कंबोज ने चीन और उसके करीबी सहयोगी पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा, ''साझा सुरक्षा तभी संभव है,

जब सभी देश आतंकवाद जैसे साझा खतरों के खिलाफ एक साथ खड़े हों और दोहरे मापदंड न अपनाएं।'' उन्होंने क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख को लेकर भी उस पर निशाना साधा। कंबोज ने कहा, ''यथास्थिति बदलने की कोशिश करने वाली कोई भी बलपूर्वक या एकतरफा कार्रवाई साझा सुरक्षा का उल्लंघन है।

साझा सुरक्षा तभी संभव है, जब देश एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें, जैसे कि वे अपनी संप्रभुता का सम्मान किए जाने की उम्मीद करते हैं।'' कंबोज ने कहा, ''साझा सुरक्षा तभी संभव है, जब देश दूसरों के साथ किए गए द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौतों का सम्मान करें और एकतरफा कदम न उठाएं।'' इस टिप्पणी से उनका इशारा चीन द्वारा 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैनिकों का जमावड़ा कर सीमा समझौतों का उल्लंघन करने की घटना की ओर माना जा रहा है।

चीन की सबसे बड़ी नदी सूखी तो अंदर से निकली 600 साल पुरानी भगवान बुद्ध की प्रतिमा

बीजिंग। (एजेंसी)।

तापमान में होते इजाफे और छह दशकों में चीन की सबसे शुष्क गर्मी के बीच यांग्त्ज़ी नदी का जल स्तर गिर गया है। जिससे चीन के दक्षिण पश्चिमी शहर चोंगकिंग में एक जलमग्न द्वीप और एक प्राचीन ज्ञान परंपरा का ऐतिहासिक प्रमाण बौद्ध मूर्तियों का खुलासा हुआ है। जिसे लगभग 600 साल पहले का माना जा रहा है। तीन मूर्तियाँ, जिनमें से सबसे बड़ी कमल के मंच पर बैठे एक भिक्षु को दर्शाती है, दक्षिणी शहर चोंगकिंग के पास सामने आई। रॉयटर्स समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार को एक प्रमुख रॉक आउटक्रॉप में उकेरा गया है, जो फोयलियांग द्वीप रीफ के ऊपर स्थित है।

कहा जा रहा है कि ये मिंग और किंग राजवंशों के समय में बनाई गई होंगी। यांग्त्ज़ी, एशिया की सबसे लंबी और दुनिया की तीसरी सबसे लंबी नदी, 1865 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से वर्ष के इस समय के लिए अपने सबसे निचले स्तर पर बताई गई है। कुछ आवश्यक शिपिंग मार्गों को बंद करते हुए पूरे खंड और दर्जनों सहायक नदियाँ पूरी तरह सूख गई हैं। 400 मिलियन से अधिक चीनी लोगों के लिए पीने के पानी का स्रोत यांग्त्ज़ी देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रमुख चालक है। इनमें से एक मूर्ती पर बुद्ध कमल पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। चीन के दक्षिणी क्षेत्रों में चल रही हीटवेव और साथ में सूखे ने देश की दो सबसे बड़ी मीठे पानी की झीलों के जल स्तर को बेहद कम कर दिया है। सबसे बड़ी झील पोयांग में पानी कथित तौर पर 75 प्रतिशत नीचे है, जो 1951 के बाद का सबसे निचला स्तर है। चान के राज्य के स्वामित्व वाले ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी के अनुसार, चोंगकिंग नगर पालिका में 34 काउंटियों में कम से कम 66 नदियाँ सूख गई हैं।

आईसीसी रैंकिंग में शुभमन ने लगायी छलांग, धवन फिसले

दुबई। (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल 45 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। शुभमन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल में हुई एकदिवसीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करते हुए एक शतक भी लगाया था। वहीं हैरानी की बात है कि जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाने के बाद भी अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गए हैं।

इसके अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पांचवें जबकि कप्तान रोहित शर्मा छठे स्थान पर बरकरार हैं। विराट और रोहित को जिम्बाब्वे दौरे में आराम दिया गया था। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम कुल 891 रेटिंग अंकों के साथ ही एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं जबकि दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के रासी वान डर डुसेन हैं। उनके 789 रेटिंग अंक हैं। अगर गेंदबाजों की बात करें तो न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट शीर्ष पर कायम हैं जबकि ऑलराउंडरों में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन नंबर शीर्ष पर हैं।

साइना नेहवाल विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर में, गायत्री-त्रीसा की जोड़ी ने भी किया कमाल

टोयो (एजेंसी)।

तोक्यो। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने मंगलवार को यहां हांगकांग की चेउंग नगन यी पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। साइना ने पहले दौर के इस मैच में नगन यी को 38 मिनट में 21-19, 21-9 से पराजित किया। विश्व चैंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी यह 32 वर्षीय खिलाड़ी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है क्योंकि दूसरे दौर की उनकी प्रतिद्वंदी नाजोमी ओकुहारा चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से हट गई हैं। इससे साइना को 'बाई' मिल गई। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने भी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय जोड़ी को मलेशिया की येन युआन लो और वेलेरी सियो को 21-11 21-13 से हराने में खास मशक्कत नहीं करनी पड़ी।

अश्विनी भट और शिखा गौतम की महिला जोड़ी ने भी इटली की मार्टिना कोर्सिनी और जुडिथ मैयर को 30 मिनट में 21-8, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। साइना ने सिंगापुर ओपन में चीन की ही बिंगजियाओ पर जीत के दौरान अपनी फॉर्म हासिल करने के संकेत दिए थे। हैदराबाद की इस खिलाड़ी ने मंगलवार को भी अपने जज्बे का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने नगन यी के खिलाफ पहले गेम में 4-7 से पिछड़ने के बाद 12-11 से बढ़त हासिल की। साइना को एक-एक अंक के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने अपनी बढ़त कायम रखी। इसके बाद स्कोर 19-19 पर बराबरी पर पहुंच गया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि इसके बाद लगातार दो अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम किया। साइना ने दूसरे गेम में अधिक आक्रामक रवैया अपनाया और इस बीच नगन यी भी संघर्ष करती नजर आई।

साइना ने इंटरवल तक 11-6 से बढ़त हासिल कर रखी थी। इसके बाद भी उन्होंने अपनी बढ़त बरकरार रखकर यह गेम और मैच जीता। इस बीच वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवगन की मिश्रित युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। यह भारतीय जोड़ी इंग्लैंड के ग्रेगरी मायर्स और जेनी मूर से 10-21, 21-23 से हार गई। कृष्ण प्रसाद गरागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की पुरुष युगल जोड़ी भी फ्रांस के फैबियन डेलरू और विलियम विलेगर से 14-21, 18-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। तनीषा क्रास्टो और ईशान भटनागर भी मिश्रित युगल में थाईलैंड के सुपक जोमकोह और सुपिसारा पावसमप्रान की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 14-21, 17-21 से हार गए।

सूर्यकुमार पाक टीम के लिए सबसे बड़ा खतरा: अकरम

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पर पाक गेंदबाजों को अंकुश लगाना होगा। अकरम के अनुसार इसका कारण यह है कि सूर्यकुमार हमारे लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

जहां भारतीय प्रशंसकों की नजरें विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा पर लगी हैं। वहीं अकरम ने कहा कि ये दोनो नहीं बल्कि सूर्यकुमार उनकी टीम के लिए खतरा बन सकते हैं क्योंकि लय में होने पर वह बेहद आक्रमक हो जाते हैं। इसके साथ ही उन्हें किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है।

सूर्यकुमार मार्च 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 में पदार्पण के बाद से ही बेहतर प्रदर्शन करते रहे हैं। अकरम ने कहा कि जब वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ जुड़े हुए थे तो उन्होंने सूर्यकुमार यादव के साथ काम किया था। तभी से वह जानते हैं कि सूर्या एक शानदार खिलाड़ी है। अकरम के अनुसार यह बल्लेबाज उनकी टीम के लिए ही नहीं अन्य टीमों के लिए भी खतरनाक साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस खिलाड़ी के आने से भारतीय बल्लेबाजी काफी बेहतर हो गयी है। वह स्पिनरों और तेज गेंदबाजों के खिलाफ एक समान रुप से खेलने वाले एक आक्रामक खिलाड़ी है। इस बल्लेबाज ने अब तक अंतराष्ट्रीय करियर में कुल 5 अर्धशतक के साथ ही एक शतक लगाया है।

विराट को लय हासिल करने एक अच्छी पारी की जरुरत: शास्त्री

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें लय हासिल करने के लिए एक अच्छी पारी की जरुरत है। शास्त्री ने कहा कि फिटनेस, जीत की भूख और जुनून के मामले में अभी भी विराट का कोई मुकाबला नहीं है। हमें उम्मीद है कि एशिया कप से वहा शानदार वापसी करेंगे। एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ 28 अगस्त को होने वाला मैच पूर्व कप्तान विराट कोहली का 100वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होगा।

शास्त्री ने ही कोहली को क्रिकेट से ब्रेक लेने और आईपीएल भी नहीं खेलने की सलाह दी थी। शास्त्री ने कहा, 'मैंने हाल ही में कोहली से बात नहीं की है पर बड़े खिलाड़ी हमेशा समय पर फार्म में आ जाते हैं। एशिया कप से पहले लिया ब्रेक उसके लिए लाभदायक होगा, जिसमें उसने आत्ममंथन किया होगा।'

लौटे शास्त्री ने कहा कि मैंने हाल ही में एक आंकड़ा देखा कि पिछले 3 साल में कोहली ने अपने समकालीन केन विलियमसन, डेविड वॉर्नर या जो रूट की तुलना में 3 गुना मैच खेले हैं। वह तीनों फॉर्मेट में लगातार खेल रहा था, जिसका असर उसपर पड़ा है। इसके बाद भी उसके जैसी फिटनेस किसी अन्य क्रिकेटर के पास नहीं है। वह एक मशीन है और उसके भीतर जीत की भूख और जुनून भी है। हर बड़ा खिलाड़ी खराब दौर से गुजरता है और उससे सीखता है। उसे भी एक अच्छी पारी की जरूरत है।

टी20 क्रिकेट से खिलाड़ियों को मिले कई अवसर: स्टोक्स

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि टी20 क्रिकेट को कुछ लोगों ने एक व्यवसाय बना दिया है। स्टोक्स के अनुसार आज जिस तरह से फ्रैंचाइजी क्रिकेट चल रहे हैं उससे यह एक कारोबार बन गया है। आज बहुत सारी फ्रैंचाइजी सामने आई हैं जिनके पास दुनिया भर में और विभिन्न देशों में कई टीमें हैं। इसमें भारत की आईपीएल, कैरेबियाई देशों की (प्रीमियर) लीग के बाद दक्षिण अफ्रीका और यूएई भी लीग क्रिकेट शुरु कर रहे हैं। इस प्रकार देखा जाये तो कई फ्रैंचाइजी टीमें बनी हैं जिससे यह कहा जा सकता है कि टी20 कुछ लोगों के लिए एक कारोबार बना हुआ है।

स्टोक्स ने कहा कि यह एक प्रकार से अच्छा भी है। इससे क्रिकेट के बाहर जीवन, सुरक्षा और इस तरह की हर चीज के मामले में खिलाड़ियों के लिए 15 साल पहले की तुलना में बहुत अधिक अवसर हैं क्योंकि इसमें अच्छा पैसा शामिल है। टी20 लीग 15-20 साल पहले की तुलना में बहुत अधिक हो गयी हैं। उन्होंने कहा, पेशेवर खेल में एक करियर बहुत कम अवधि के लिए होता है। आप न केवल जितना हो सके अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना चाहते हैं। ऐसे में आपको भविष्य के बारे में भी सोचना होगा। उसको देखें तो टी20 ने खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा का अवसर दिया है।

क्रिकेट जगत के अधिक टी20 मैचों के पक्ष में होने के बाद भी स्टोक्स को उम्मीद है कि टेस्ट क्रिकेट भविष्य में भी बना रहेगा। उन्होंने कहा, मैं टेस्ट क्रिकेट को खत्म होते नहीं देखता। मैं इस प्रारूप का बहुत बड़ा एमबेस्डर हूं। यह क्रिकेट का शिखर है, टेस्ट मैच इसका शुद्धतम रूप है। मैं कभी भी टेस्ट मैच क्रिकेट को कहीं भी जाते हुए नहीं देख सकता। भले ही टी20 क्रिकेट ने खेल का चेहरा बदल दिया है, टेस्ट मैच क्रिकेट अभी भी मेरी राय में खेल का शिखर है।

सानिया ने अमेरिकी ओपन से नाम वापस लिया

हैदराबाद। भारतीय महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा चोटिल होने के कारण अमेरिकी ओपन टेनिस में नहीं खेलेंगी। सानिया को हाल में कनाडा में खेले टोरंटो अपने में यह चोट लगी थी। सानिया वैसे भी पिछले काफी समय से केवल युगल मुकाबलों में ही भाग ले रही हैं। सानिया के नाम वापस लेने से उनके संन्यास की अटकलें फिर तेज हो गयी हैं। वैसे भी इस खिलाड़ी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह उनके करियर का अंतिम साल है। सानिया ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस महीने टोरंटो में खेलने के दौरान उन्हें चोट लग गयी थी।

उन्होंने लिखा, 'नमस्कार दोस्तों, एक नयी खबर। मेरे पास बहुत अच्छी सूचना नहीं है। दो सप्ताह पहले कनाडा में मेरी कोहनी में चोट लग गयी थी।' तब मैंने इसे गंभीरता से नहीं लिया था पर कल जब मेरा स्कैन हुआ तो पता चला कि यह गंभीर चोट है। इसलिए मुझे कुछ सप्ताह के लिए खेल से दूर रहना होगा और इसी कारण मैं अमेरिकी ओपन से हट गई हूं।' अमेरिकी ओपन 29 अगस्त से 11 सितंबर तक खेला जाएगा। सानिया ने इससे पहले कहा था कि 2022 के सत्र के अंत में वह खेल को अलविदा कहेंगी हालांकि उनका यह फैसला बदल भी सकता है।

एक अक्टूबर से बांग्लादेश में होगा महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट

ढ़ाका (एजेंसी)।

महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट एक अक्टूबर से बांग्लादेश में होगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की ओर से हालांकि अभी तक इसका कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया और यूएई, बांग्लादेश के अलावा छह अन्य टीमें भी भाग लेंगी। .

यह टूर्नामेंट यूएई में महिला टी20 विश्व कप क्वालिफायर-2022 के बाद शुरू होगा। इसके शुरुआती दो सप्ताह को इस साल के महिला एशिया कप के लिए आईसीसी ने फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम में नामांकित किया है। वहीं बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की महिला समिति के अध्यक्ष शफीउल आलम चौधरी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण इस टूर्नामेंट को 2020 की जगह साल 2021 में कराने के लिए स्थगित कर दिया गया था। उसके बाद हालात खराब होने के कारण इस टूर्नामेंट को अंत में रद्द करना पड़ा था। अब यह बांग्लादेश में खेला जाएगा। महिला एशिया कप आमतौर पर हर 2 साल में आयोजित किया जाता है पर महामारी के कारण कार्यक्रम को बदला गया है।

यह टूर्नामेंट 2012 से 20 ओवर के फॉर्मेट में आयोजित किया गया है। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इस टूर्नामेंट के मुकाबले खेले जाएंगे। इसके ग्राउंड-1 को मैचों के लिए और ग्राउंड-2 को अभ्यास के लिए रखा जाएगा। चौधरी बीसीबी के निदेशक भी हैं।

शुभमन में रोहित , विराट और राहुल जैसी क्षमताएं: हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन ने कहा कि शुभमन में रोहित शर्मा, विराट कोहली और राहुल जैसी क्षमताएं हैं। यहां तक कि आने वाले समय में वह भारतीय टीम की कप्तानी भी कर सकते हैं। वह एक सुलझे हुए बल्लेबाज हैं और उनकी तकनीक भी सधी हुई होने के साथ ही शॉट चयन भी शानदार है , इसके साथ ही उनमें रनों की भूख है और वह टीम के लिए योगदान देना चाहते हैं।

हरभजन ने बताया कि जब वह विजय हजारे ट्रॉफी 2017 में पंजाब की कप्तानी कर रहे थे तब उन्हें शुभमन के बारे में पहली बार पता चला। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ताओं ने मुझे शुभमन के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि वह प्रतिभावान खिलाड़ी है। हम उसे इस साल रणजी ट्रॉफी में अवसर दे रहे हैं। हमें उसके अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। तब मैंने इसपर जवाब दिया कि अगर वह प्रतिभावान है तो हम उसे भविष्य की जगह अभी क्यों न अवसर दें? इसपर चयनकर्ताओं ने मुझसे पूछा कि क्या मैं उन्हें लेकर निश्चित हूं, मैंने कहा मैं 100 फीसदी निश्चित हूं।'

शुभमन ने हरभजन के भरोसे को बनाये रखते हुए अपने दूसरे ही मैच में ही असम के खिलाफ 121 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी पंजाब की ओर से दूसरे ही मैच में 129 रन बनाए थे। हरभजन ने कहा, 'जब वह पहली बार पंजाब के लिए खेला तो मुझे लग गया कि उनके पास तेज गेंदबाजी खेलने के लिए बहुत समय है। वह छोटी गेंदों को बहुत अच्छा खेलते हैं, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने योग्य बनाता है। वह छोटी गेंद को स्क्वैर लेग की जगह मिड-ऑन और मिड-विकेट की ओर खेलते हैं, जो दिखाता है कि उनके पास कितना समय है।' भारतीय टीम में जगह पानेके बाद शुभमन ने अपने खेल से सभी का ध्यान खींचा है। इस युवा बल्लेबाज ने जिम्बाब्वे दौर में भी शानदार प्रदर्शन किया है। जिससे उन्हें मैन ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी मिला है।

प्री क्वार्टर में पहुंचे अर्जुन-कपिला, अश्विनी-सिक्की की जोड़ी हारी

तोक्यो। भारतीय पुरूष युगल टीम एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए लेकिन महिला वर्ग में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी हारकर बाहर हो गए। अर्जुन और कपिला की गैर वरीय जोड़ी ने डेनमार्क के आठवीं वरीयता प्राप्त किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन को 21 . 17, 21 . 16 से हराया। अब उनका सामना सिंगापुर के ही योंग टैरी और लोह कीन हीन से होगा। पोनप्पा और सिक्की को शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की चेन किंग चेन और जिया यि फान ने 42 मिनटमें 21 . 15, 21 . 10 से मात दी। पूजा डांडु और संजना संतोष की जोड़ी भी तीसरी वरीयता प्राप्त कोरिया की ली सो ही और शिन सियुंग चान से हार गई। शाम को एच एस प्रणय, लक्ष्य सेन, किदाम्बी श्रीकांत पुरूष एकल में जबकि सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरूष युगल और त्रिसा जॉली तथा गायत्री गोपीचंद महिला युगल में चुनौती पेश करेंगे।

चैम्पियंस लीग फुटबॉल में बेंफिका ने डायनामो कीव को हराया, ग्रुप चरण में पहुंचने का टूटा सपना

लंदन। चैम्पियंस लीग फुटबॉल के ग्रुप चरण में पहुंचने का डायनामो कीव का सपना बेंफिका ने क्वालीफाइंग प्लेआफ में उसे 3 . 0 से हराकर तोड़ दिया। बेंफिका के लिये निकोलस ओटामेंडी, रफा सिल्वा और डेविड नेरेस ने गोल दागे। यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण डायनामो साल भर घरेलू फुटबॉल भी नहीं खेल सकी थी। बिना किसी तैयारी के चैम्पियंस लीग में उतरने पर वह अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई। इस बीच यूक्रेन फुटबॉल लीग का नया सत्र मंगलवार को शुरू हुआ और शखतार दोनेत्सक तथा मेटलिस्ट 1925 के बीच मैच गोलरहित बराबरी पर रहा। यह मैच युद्ध के कारण दर्शकों के बिना खेला गया।

पाक के खिलाफ मुकाबले में चहल और बिश्नोई में से किसे शामिल करेंगे रोहित?

दुबई (एजेंसी)।

पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले एशिया कप क्रिकेट मुकाबले के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के लिए टीम चयन आसान नहीं रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम पिछले साल टी20 विश्वकप में मिली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। यह भारतीय टीम के लिए इतना आसान भी नहीं रहेगा क्योंकि बाबर आजम की कप्तानी में पाक टीम पिछले एक साल से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भारतीय टीम इस मुकाबले के लिए अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों को अवसर देना चाहेगी। भारतीय टीम के कई युवा खिलाड़ी भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें अंतिम ग्यारह का चयन करते समय अनुभवी के साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी अवसर देने होंगे।

दुबई की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों को सहायता मिलने की संभावनाओं को देखते हुए भारतीय दल में रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल और रवि बिश्नोई को रखा गया है। अब इनमें से अंतिम ग्यारह का चयन आसान नहीं रहेगा। अश्विन और जडेजा अनुभवी होने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। ऐसे में इनकी अनदेखी संभव नहीं है। अश्विन ऑफ स्पिनर के तौर पर प्रबल दावेदार हैं। वहीं चहल और बिश्नोई दोनों ही लेग स्पिनर हैं। ऐसे में इनमें से किसी एक का चयन करना होगा। बिश्नोई ने इस साल आईपीएल और उसके बाद हुए मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी कारण उन्हें अक्षर पटेल के ऊपर वरीयता दी गई है। ऐसे में रोहित अंतिम 11 में बिश्नोई ओर चहल में से किये शामिल करते हैं यह देखना होगा। गेंदबाजी में विविधता को देखते हुए लेग स्पिनर की भूमिका अहम रहती है।

वहीं चहल हैं ने भी आईपीएल और उसके बाद अच्छी गेंदबाजी कर टीम इंडिया में वापसी के लिए अपना दावा पेश किया है।

नारी सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर रहा है भारत : स्मृति ईरानी

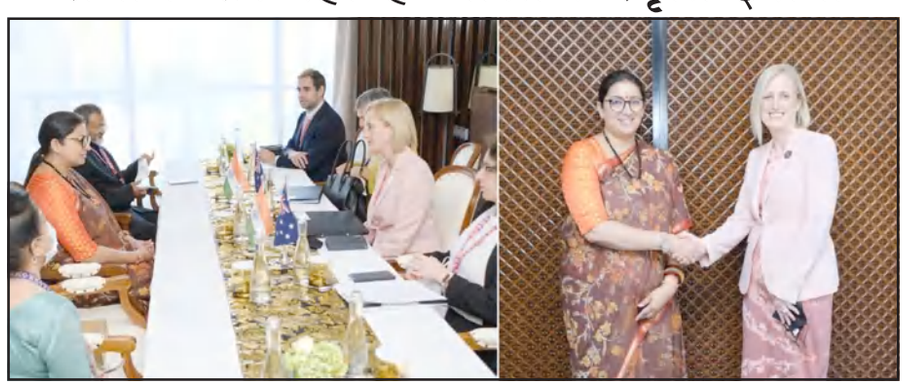

बाली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को कहा कि नारी सशक्तिकरण के लिए भारत प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर रहा है और जमीनी स्तर पर डिजिटल सेवा उपलब्ध करा रहा है।

ईरानी ने इंडोनेशिया के बाली में जी- 20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के समग्र विकास के लिए भारत में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस सम्मेलन में जी- 20 देशों की महिला मुद्दों से संबंधित मंत्री भाग ले रही हैं। सम्मेलन का विषय नारी सशक्तिकरण- डिजिटल लैंगिक अंतर : डिजिटल अर्थव्यवस्था और भविष्य की कार्यप्रणाली में महिलाओं की भागीदारी '' है।

ईरानी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में मोदी सरकार नारी सशक्तिकरण और समानता के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उपाय किए जा रहे हैं। अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी डिजिटल कार्यप्रणाली से बढ़ाई जा रही है। सम्मेलन से अलग ईरानी ने इंडोनेशिया और आस्ट्रेलिया की मंत्रियों से मुलाकात की। वह यूरोपीय संघ की समानता आयुक्त से भी मिली।

ईरानी ने इंडोनेशिया की नारी सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण मंत्री बिनतांग पुष्पायोग के साथ बैठक की। दोनों मंत्रियों ने एक दूसरे के देश में महिला विकास और बाल संरक्षण से संबंधित चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी ली और अपने अनुभवों का आदान-प्रदान किया।

ईरानी ऑस्ट्रेलिया की वित्त, महिला एवं जनसेवा मंत्री सेनकेटी जी. से भी मिली और उन्हें मोदी सरकार की महिला केंद्रित नीतियों और योजना जैसे आवास, स्वास्थ्य और वित्तीय समावेशन आदि से अवगत कराया। ईरानी ने एक ट्वीट में बताया कि वह यूरोपीय संघ समानता आयुक्त हेलनडल्ली से भी मिली और उनके साथ सार्थक बातचीत की ।श्रीमती हेलनडल्ली ने भारत में महिला कल्याण के लिए जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों की सराहना की।

शौर्य और पराक्रम के बिना शांति और सौहार्द संभव नहीं : सीएम योगी

रायबरेली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शांति और सौहार्द बिना शौर्य और पराक्रम संभव नहीं है। उन्होंने कहा है कि आज जबकि हमने आजादी के शताब्दी वर्ष के भारत को समृद्ध और सशक्त देश के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है, तो यह हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह सकारात्मक सोच के साथ अपनी क्षमता और प्रतिभा का देशहित में योगदान करे।

मुख्यमंत्री योगी, बुधवार को 1857 की लड़ाई के अमर नायक राना बेनीमाधव बख्श सिंह की 218वीं जयंती पर रायबरेली में आयोजित भाव समर्पण कार्यक्रम में जनता को संबोधित कर रहे थे। 'अवध केसरी' के नाम से विख्यात राना बेनीमाधव बख्श सिंह की वीरता और शौर्य को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राना बेनीमाधव जी ने देश को पूर्ण आजादी मिलने से 90 वर्ष पहले ही पूरे अवध को आजादी का अहसास करा दिया था।

चुनौतियों का सामना करने के लिए सामाजिक एकजुटता का महत्व बताते हुए सीएम ने कहा कि 1857 से पहले भी स्वतन्त्रता की लड़ाई चल रही थी।

महाराणा प्रताप, वीर शिवानी गुरु गोबिंद सिंह जैसे महापुरुषों ने भी विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध युद्ध किया, लेकिन 1857 में यह लड़ाई संगठित होकर आगे बढ़ी। चित्तू पांडेय, मंगल पांडेय, रानी लक्ष्मीबाई तात्या टोपे, जैसे नायकों ने अलग-अलग क्षेत्रों से एकजुट होकर स्वाधीनता आंदोलन की निर्णायक लड़ाई को शुरू किया।

अवध में वीरा पासी जी और राना बेनीमाधव जी ने ब्रितानी हुकूमत के विरुद्ध स्वाधीनता की जो अलख जगाई थी, वह जनांदोलन का रूप लेते हुए आगे जाकर 1922 में चौरीचौरा आंदोलन, 1925 में काकोरी एक्शन होते हुए 1947 में स्वाधीनता के लक्ष्य को प्राप्त करती है। मुख्यमंत्री योगी ने जयंती समारोह में उपस्थित जनसमुदाय को आजादी के अमृत काल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पंचप्रण' से जुड़ने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि 2047 का भारत गरीबी, अराजकता, विषमता और अव्यवस्था से मुक्त होकर विकसित भारत के रूप में विश्व को नेतृत्व प्रदान करने वाला होगा। यह भारत मानवता को राह दिखाने वाला होगा।

आजादी के गुमनाम नायकों को सम्मान दिलाने की अपनी मुहिम से आमजन को जोड़ते हुए मुख्यमंत्री ने शिक्षण संस्थानों को इस विषय पर व्यापक शोध-अध्ययन करने की जरूरत बताई। रायबरेली के फिरोज गांधी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हमें अपनी लोककथाओं, लोकगीतों की ओर लौटना होगा, हमारे नायकों की स्मृतियां अब भी उनमें जीवित हैं। कुछ दिनों पूर्व महाराष्ट्र के एक संत द्वारा उन्हें उपलब्ध कराए गए पांडुलिपियों से गोरक्षपीठ की 16वीं से 19वीं सदी कि मध्य के सिद्ध संतों की परंपरा की जानकारी मिलने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने शिक्षण संस्थानों को पांडुलिपियों, ताम्रपत्रों के संग्रह और अध्ययन के लिए प्रेरित भी किया।

मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट पर फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका पर सुनवाई के लिए राजी हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के विभिन्न प्रावधानों को बरकार रखने से संबंधित फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। सुप्रीम कोर्ट कल यानी गुरुवार को इस याचिका पर सुनवाई करेगा। पिछले महीने की 27 तारीख को सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारों और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा था ईडी को गिरफ्तारी का अधिकार है।

अदालत ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग एक स्वतंत्र अपराध है, ऐसे में मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में कोई खामी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी और पीएमएलए को लेकर दायर 240 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने कहा कि 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में जो बदलाव किए गए थे, वह सही हैं। यही नहीं कोर्ट ने कहा कि एजेंसी की ओर से गिरफ्तारी करने और आरोपियों से पूछताछ करने में कुछ भी गलत नहीं है।

जस्टिस ए.एम खानविल्कर की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि ईडी की ओर से गिरफ्तारी किया जाना मनमानी नहीं है। अदालत ने ईडी ओर से संपत्ति जब्त करने को सही करार देते हुए कहा था कि गलत ढंग से पैसा कमाने वाले लोग इसका इस्तेमाल न कर सकें। इसलिए ऐसा अधिकार ईडी के पास है।

इसके अलावा प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में मनी बिल के तहत बदलाव किए जाने के सवाल को अदालत ने 7 जजों की बेंच के सामने भेजने का फैसला लिया। दायर की गई याचिकाओं में ईडी की ओर से रेड, गिरफ्तारी के अधिकारी, संपत्ति को जब्ब करने और बेल की कठिन शर्तों पर विचार करने की अपील की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट का मोदी सरकार से सवाल, 'मुफ्त उपहारों' पर सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुलाते?

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार से सवाल किया कि चुनाव के समय मतदाताओं को मुफ्त उपहार' देने वाले वादों का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव की जांच के लिए वह एक सर्वदलीय बैठक बुलाने के साथ-साथ एक समिति क्यों नहीं बना सकती। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति सी. टी. रविकुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय एवं अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह सवाल किया।

न्यायमूर्ति रमना ने कहा कि केंद्र सरकार ने भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर उस जनहित याचिका का समर्थन किया था, जिसमें चुनाव आयोग को जांच करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में मुफ्त उपहारों के देश की अर्थव्यवस्था के साथ ही स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों पर विपरीत प्रभाव की आशंका पर चिंता व्यक्त की गई है। पीठ ने कहा कि इस मामले में राजनीतिक दलों को साथ लेकर चलने और उनके बीच विचार-विमर्श और बहस की जानी चाहिए। केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे मेहता ने अपनी ओर से कहा कि अंतत: मामला जांच के लिए अदालत के सामने ही आएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस मामले से जुड़ी सभी सूचनाएं और आंकड़े अदालत के समक्ष रखेगी। मेहता ने पीठ के समक्ष यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने मामले में हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए दावा किया है कि उसे संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार है। इस अधिकार में चुनावी भाषण और वादे भी शामिल हैं।

याचिकाकर्ता उपाध्याय का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने सुझाव दिया कि मामले की जांच के लिए भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश आर. एम. लोढ़ा और पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक विनोद राय की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जा सकती है।

इस पर न्यायमूर्ति रमना ने कहा कि कहा, जो व्यक्ति सेवानिवृत्त होता है या सेवानिवृत्त होने वाला है, उसका इस देश में कोई मूल्य नहीं है।'' न्यायमूर्ति रमना 26 अगस्त को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सिंह ने पीठ के समक्ष दलील देते हुए कहा कि सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार' में शीर्ष अदालत के 2013 के फैसले पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। इस फैसले में शीर्ष अदालत ने माना था कि चुनावी घोषणा पत्र में राजनीतिक दलों द्वारा किए गए वादे लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के अनुसार भ्रष्ट आचरण' नहीं होंगे। न्यायमूर्ति रमना ने मामले की अगली सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पीठ का गठन किया।

सीएम हेमंत के करीबी के यहां ईडी रेड में मिलीं एके-47

रांची, 24 अगस्त (एजेन्सी)। झारखंड में सत्ता के करीबी कारोबारी प्रेम प्रकाश के रांची स्थित ठिकाने पर चल रही ईडी की छापामारी के दौरान दो एके-47 राइफलें बरामद की गयी हैं।

बताया जा रहा है कि ये रायफलें हरमू स्थित उसके ठिकाने पर एक आलमारी की तलाशी के दौरान मिलीं। इसके अलावा कुछ अन्य हथियारों की बरामदगी की भी सूचना है। इसकी जांच के लिए सुरक्षा एजेंसियों को भी सूचित किया गया है। इसी मामले से जुड़ी अहम सूचना यह भी है कि ईडी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट जे. जयपुरियार के रांची स्थित दो ठिकानों पर भी छापामारी की है। बताया जा रहा है कि वह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अकाउंट से जुड़ी कुछ फाइलें देखते हैं।

प्रेम प्रकाश को झारखंड के सत्ता के गलियारे में पावर ब्रोकर के रूप में जाना जाता है। ईडी की टीमों ने उसके और उसके करीबियों के 18 ठिकानों पर बुधवार सुबह से छापामारी शुरू की है। इसके पहले 25 मई को भी उसके आधा दर्जन ठिकानों पर छापामारी में कई कीमती सामान बरामद किये गये थे। एक कंबोडियन कछुआ भी उसके घर से मिला था, जिसे बाद में एक चिड़ियाघर को सौंप दिया गया।

दो एके-47 की बरामदगी की खबर फैलते ही प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा के नेता राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर हमलावर हो गये हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ट्विट कर कहा है कि झारखंड के मुख्यमंत्री और उनके पारिवारिक मित्र अमित अग्रवाल जी के सहयोगी प्रेम प्रकाश जी के यहां सूत्रों के अनुसार ईडी ने एके-47 बरामद किया है। यानी वह आतंकवादी व नक्सलियों का सरगना है। एनआईए को इस मामले की जांच अपने हाथ में लेनी चाहिए।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा है कि प्रेम प्रकाश की राज्य की सरकार में कितनी ऊंची पहुंच रही है, यह हर कोई जानता है। अब उसके आवास से एके 47 की बरामदगी इस बात का सबूत है कि राज्य में सत्ता किस तरह के लोग चला रहे हैं।

नागालैंड के पास विशाल संसाधान, निवेश के लिए एक्सपोजर की जरूरत : निर्मला सीतारमण

दीमापुर, 24 अगस्त (एजेन्सी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि नागालैंड के पास विशाल संसाधन हैं और उसे निवेश के लिए अच्छे एक्सपोजर की जरूरत है।

पूर्वोत्तर राज्य के तीन दिवसीय दौरे के बाद, केंद्रीय वित्त मंत्री ने दीमापुर में कहा कि उद्योग उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के लिए नागालैंड आ सकते हैं।

उन्होंने राज्य का दौरा खत्म होने पर दिल्ली निकलने से पहले मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, 'वित्त मंत्रालय की ओर से, हम सभी जिलों में पर्याप्त अतिरिक्त बैंक देखेंगे। मोबाइल बैंकिंग सुविधाओं के माध्यम से बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है। नागालैंड के विभिन्न जिलों में 271 बैंक शाखाएं काम कर रही हैं, जिसमें दीमापुर में 94 शाखाएं हैं।'

सीतारमण ने कहा, 'नगालैंड की राजधानी कोहिमा में मंगलवार को बैंकर्स कॉन्क्लेव और क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में, मैंने बैंकरों को उन जिलों में और शाखाएं खोलने के लिए कहा है, जहां पर्याप्त संख्या में बैंक शाखाएं नहीं हैं। सरकार चाहती है कि सभी लोगों का वित्तीय समावेश हो और सभी सरकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचे।'

केंद्र ने नागालैंड की कैसे मदद की, इसका विवरण देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि कर हस्तांतरण के तहत, राज्य को 2014-2019 में 13,782 करोड़ रुपये मिले, जबकि

2009-2014 में इसे 3,844 करोड़ रुपये ही मिले थे।

उन्होंने कहा कि अनुदान और सहायता की श्रेणी के तहत, नागालैंड को 2009-2014 के दौरान 20,812 करोड़ रुपये के मुकाबले 2014-2019 में 29,483 करोड़ रुपये मिले।

चालू वित्त वर्ष (2022-23) में राज्य को 4,773 करोड़ रुपये का वित्त आयोग अनुदान मिला।

मंत्री ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान, नागालैंड सहित सभी राज्यों को बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विशेष वित्तीय सहायता मिली और वित्तीय सहायता से राज्यों को बड़ी मदद मिली।

बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी सभी राज्यों को 1 लाख करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि नई योजना - पूर्वोत्तर के लिए प्रधानमंत्री विकास पहल (पीएम-डिवाइन)- के तहत नागालैंड 1,600 करोड़ रुपये तक की पूंजीगत व्यय परियोजनाओं को प्रस्तुत कर सकता है।

सीतारमण ने फरवरी में केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करते हुए, पीएम-डिवाइन की घोषणा की थी, जिसे उत्तर-पूर्वी परिषद के माध्यम से लागू किया जाएगा और नई योजना के लिए 1,500 करोड़ रुपये का प्रारंभिक आवंटन आवंटित किया गया था।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन परियोजनाओं के तहत, 38 में से 17 को नागालैंड में पूरा किया गया और अकेले कोहिमा शहर को मिशन के तहत 245 करोड़ रुपये मिले।

इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री ने नागालैंड की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान बैंकर्स कॉन्क्लेव और क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम और नागालैंड की राजधानी कोहिमा में नागालैंड कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) और इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव 2022 में भाग लिया। उन्होंने राज्य भर के सभी लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए पीएम-किसान और प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना सहित केंद्र सरकार की सभी योजनाओं की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सिसोदिया पर संबित पात्रा का हमला, बोले- पहले घपला किया, अब इधर-उधर की बातें कर रहे हैं

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) को पंजाब विधानसभा चुनाव में मोटे माल'' की जरूरत थी, इसलिए दिल्ली सरकार ने आबकारी नीति पर बनाई गई एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को नजरअंदाज किया। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि विशेषज्ञ समिति ने आबकारी नीति में शराब की थोक बिक्री का काम निजी हाथों में ना देने के बजाय सरकार के ही हाथों में रखे जाने की सिफारिश की थी ताकि उसके राजस्व में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि पहले घपला किया, अब इधर-उधर की बातें कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समिति ने यह भी सिफारिश की थी कि शराब की खुदरा ब्रिकी का काम बड़ी कंपनियों को ना देकर लॉटरी' प्रणाली के माध्यम से व्यक्ति विशेष को दिया जाए। पात्रा ने आरोप लगाया कि लेकिन आप सरकार ने इन सिफारिशों को नजरअंदाज किया और थोक बिक्री का काम बड़ी निजी कंपनियों के हाथों में सौंप दिया, वह भी बगैर किसी नीलामी या सार्वजनिक नोटिस के। उन्होंने आरोप लगाया, ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि पंजाब के चुनाव के समय मोटे माल की आवश्यकता थी। जिसने मोटा माल' दिया... रिपोर्ट को दरकिनार कर उसे शराब का ठेका सौंप दिया गया।''

भाजपा प्रवक्ता ने दावा कि आबकारी नीति में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामले में फंसे दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया बच नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा, सिसोदिया जी आपने भ्रष्टाचार किया है, इसका सबूत मौजूद है, जांच हो रही है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री सिसोदिया आरोपों का जवाब देने की बजाय इधर-उधर'' की बातें कर रहे हैं और मामले को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

पात्रा ने केजरीवाल को कथित शराब घोटाले का सरगना'' करार दिया और दावा किया कि उन्हें इस भ्रष्टाचार की जानकारी थी। उन्होंने कहा, इसलिए इससे संबंधित फाइलों पर वह हस्ताक्षर नहीं करते थे। वह संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव के हस्ताक्षर से संबंधित फाइलों को उपराज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजते थे।'' पात्रा ने कहा, जिस तरह की बौखलाहट आम आदमी पार्टी में विगत कुछ दिनों से देखने को मिल रही है, इससे किसी तरह का संशय नहीं है कि मनीष सिसोदिया को लेकर आम आदमी पार्टी घिरी नजर आ रही है।''

दिल्लीवासियों को मिली इलेक्ट्रिक बसों की सौगात

2025 तक सड़कों पर दौड़ेगी 80 फीसदी बसें : केजरीवाल

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि शहर के समूचे बस बेड़े में 2025 तक करीब 80 फीसदी इलेक्ट्रिक बसें होंगी।

केजरीवाल ने यहां राजघाट डिपो से 97 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद शहर में इलेक्ट्रिक बसों की कुल संख्या 250 हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 1500 बसों के लिए पहले ही ऑर्डर दिया जा चुका है जिन्हें नवंबर-दिसंबर तक शामिल किया जाएगा। दिल्ली में इस समय 153 ई-बसें चल रही हैं और आज की बसों के बाद इन बसों की संख्या 250 हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि सितंबर तक 50 और ई-बसों को बेड़े में शामिल किया जाएगा।

केजरीवाल ने कहा कि नवंबर 2023 तक दिल्ली की सड़कों पर करीब 1800 ई बसें चल सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, जिस तरह हमने शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले में दिल्ली को विश्वस्तरीय मॉडल बनाया है, वैसे ही शहर को दुनिया में परिवहन का मॉडल भी बनाया जाएगा।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है और इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना उन लोगों को करारा जवाब है जो कह रहे थे कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बंद हो जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com